आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

24 घंटे देखे यश भारत डिजिटल न्यूज चैनल
DIGIANA NEWS 91
hathway 598
UCN NEWS HD 81

● वर्ष- 16 अंक 146- ● जबलपुर ● सोमवार, 27 जून, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-14 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

सिवनी जिले के अगरिया में उल्टी-दस्त का प्रकोप

50 से अधिक बीमार, एक महिला की मौत, स्वास्थ्य अमला जाँच में जुटा

सिवनी, यशभारत। जिले के आदिवासी बाहुल्य विकास खंड घंसौर के अंतर्गत आने वाले अगरिया ग्राम में उल्टी दस्त से पूरा गांव पीड़ित हो गया है। जहां लगभग 50 से अधिक लोग बीमार हो गए हैं। जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर में भर्ती कराया गया है। वही एक वृद्ध महिला की मौत भी हो गई है। बताया जा रहा है कि अगरिया में पानी का अभाव है। जिसके कारण बरसात से इकट्ठा हुआ पानी कुएं में आ जाता है। जिसे लोग पीने के उपयोग में ले रहे हैं। तथा अन्य स्त्रोतों से पानी की व्यवस्था करते हैं। वही पानी पीने से लोगों के बीमार होने की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है दूषित पानी पीने से उपचार के दौरान एक महिला की मौत भी हो गई है। जिसकी भी जांच की जा रही है।

सिवनी से स्वास्थ्य टीम घंसौर के लिए रवाना

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर में जिन बीमारों को भर्ती कराया गया है। उनका उपचार किया जा रहा है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही सिवनी से स्वास्थ्य दल भी घंसौर के लिए रवाना हो गया है जहां बीमारों का बेहतर उपचार किया जाएगा।

बीमारों को जबलपुर, सिवनी और लखनादौन ले जा रहे परिजन

कई बीमारों के परिजन अपने अपने साधन से जबलपुर मेडिकल तथा कुछ लोग सिवनी जिला चिकित्सालय तथा कुछ बीमार सिविल अस्पताल लखनादौन के लिए निकल गए हैं। जहां बेहतर इलाज कराएंगे।

बंद है जल आवर्धन योजना

बताया जा रहा है कि ग्राम में एवं आसपास जल आवर्धन योजना बंद है। जिसके कारण पीने के पानी का अभाव है। वही लोग मजबूरी में कुएं तथा अन्य जगह से पीने के पानी की व्यवस्था करते हैं। बीमारों किया भर्ती उपचार जारी वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भारती सोनकेशरिया ने बताया कि अगरिया ग्राम से सूचना मिली थी कि उल्टी दस्त से लोग बीमार है। 15 से 20 बीमार अस्पताल में आ चुके हैं। बाकी के लिए टीम भेजी गई है। संभवत: दूषित पानी पीने से यह घटना हो सकती है।

महाराष्ट्र संकट

अल्पमत में है उद्धव सरकार !

शिंदे गुट ने समर्थन वापसी का किया एलान

नई दिल्ली/ मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र का सियासी संकट सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शिंदे गुट की 2 याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। ।सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में शिंदे गुट की ओर से कहा गया है कि उन्होंने महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। इस तरह यह सरकार अल्पमत में है। शिंदे ने अर्जी में कहा है कि उद्धव सरकार ने बहुमत खो दिया है। पहली याचिका में 16 बागी विधायकों को अयोग्य ढहराए जाने वाले नोटिस को चुनौती दी गई है। वहीं दूसरी याचिका में उद्धव ठाकरे गुट द्वारा अजय चौधरी को विधायक दल का नेता बनाए जाने की चुनौती दी गई है। शिवसेना की ओर से कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और कपिल सिब्बल पेश हुए। सुप्रीम कोर्ट का फैसला महाराष्ट्र की सियासत पर व्यापक असर डालेगा। यदि 16 बागी विधायक यहां भी अयोग्य ठहराए जाते हैं तो बाकी विधायकों पर भी लौटने का दबाव बढ़ेगा। वहीं विधानसभा में बहुमत साबित करने का आंकड़ा भी घट जाएगा।

एकनाथ शिंदे ने की राज ठाकरे से बात

40 से अधिक विधायकों को लेकर गुवाहाटी की होटल में डटे एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे से फोन पर बात की। हालांकि इसे शिष्टाचार फोन कॉल बताया जा रहा है क्योंकि राज ठाकरे की एक सर्जरी हुई है और इसके बाद वे अस्पताल से घर लौटे हैं। वहीं महाराष्ट्र के सियासी संकट के बीच इस बातचीत के दूसरे मतलब भी निकाले जा रहे हैं।

राउत को 1034 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में ED का नोटिस, कल पूछताछ के लिए बुलाया

सियासी संग्राम के बीच प्रवर्तन निदेशालय ने शिवसेना सांसद संजय राउत को समन जारी किया है। उन्हें पतरा चाल भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए 28 जून, यानी मंगलवार को बुलाया गया है। 5 अप्रैल को इस मामले में श्वष्ठ ने राउत की संपत्ति अटैच की थी। श्वष्ठ ने इस मामले में महाराष्ट्र के बिजनेसमैन और राउत के करीबी प्रवीण राउत को फरवरी में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद इस केस में संजय राउत का नाम भी जुड़ा।

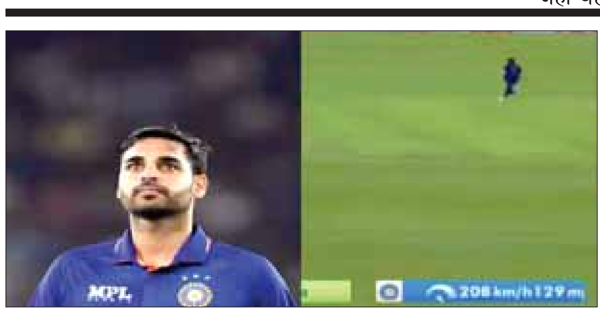

तकनीकी खराबी के चलते भुवनेश्वर कुमार ने तोड़ा शोएब अख्तर का वर्ल्ड रिकॉर्ड,

फेंकी 208 kmph की स्पीड से गेंद

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के नाम वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड दर्ज है। 2003 वर्ल्ड कप में इस गेंदबाज ने 161.3 द्मद्बश्चद्ध की स्पीड से इंग्लैंड के खिलाफ एक गेंद फेंकी थी। इससे अधिक गति से गेंदबाजी करने के लिए या तो गेंदबाज को अपना पूरा दमखम लगाना होगा या फिर तकनीक में खराबी के चलते ही इस रिकॉर्ड को पछाड़ा जा सकता है। ऐसा ही कुछ भारत और आयरलैंड के बीच खेले गए पहले टी20 मुकाबले के दौरान देखने को मिला। भुवनेश्वर कुमार ने एक नहीं बल्कि दो गेंदें 200ञ्चद्मक्क॥ से अधिक की गति की फेंकी। हालांकि तकनीकि दिक्कतों के चलते यह रिकॉर्ड मान्य नहीं होगा।

नई तकनीक से वार्ड में भर्ती सभी मरीजों की एक ही नर्स कर सकेगी निगरानी

भारतीय शोधार्थियों ने सेंसर रहित रोगी निगरानी प्लेटफॉर्म डोजी किया तैयार

नई दिल्ली,एजेंसी। अस्पताल में भर्ती मरीज को अब बार-बार नर्स बुलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। न ही मरीज को सामान्य से आईसीयू वार्ड में शिफ्ट करने के लिए डॉक्टर को जांच रिपोर्ट या नर्स की जानकारी पर निर्भर रहना होगा। भारतीय शोधार्थियों ने एक ऐसा सेंसर रहित रोगी निगरानी प्लेटफॉर्म डोजी तैयार किया है जिसकी मदद से अस्पताल के वार्ड में भर्ती सभी मरीजों की निगरानी केवल एक नर्स आसानी से कर सकती है। यह नर्स एक मॉनिटर पर बैठे सभी मरीजों की जानकारी हर घंटे ले सकती है और अगर किसी की तबीयत बिगड़ रही है तो उसे तत्काल आईसीयू में शिफ्ट भी कर सकती है। मोदी सरकार ने इस नई तकनीक को

मेक इन इंडिया में शामिल करते हुए ई-जेम प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया है। यह उपकरण दिल्ली सहित देश के कुछ हिस्सों में सफलतापूर्वक कार्य भी कर रहा है। कोरोना की दूसरी लहर में दिल्ली के वल्लभ भाई पटेल कोविड सेंटर में इसी उपकरण के जरिए मरीजों की निगरानी की गई थी और जरूरतमंद रोगियों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में आईसीयू के लिए भर्ती कराया गया था।

नागपुर में 200 मरीजों की जान बचाई

महाराष्ट्र के नागपुर स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (मेयो अस्पताल) में इस सेंसर रहित उपकरण की मदद से 200 मरीजों की जान बचाई गई। अस्पताल के चिकित्सीय अध्ययन में बताया गया कि सामान्य वार्ड में भर्ती मरीजों को समय रहते आईसीयू में शिफ्ट किया गया था।

क्या है यह सेंसर रहित उपकरण

शोधार्थियों ने दो तरह के सेंसर रहित उपकरण तैयार किया है जिसका नाम डोजी रखा है। एक, जिसे अस्पताल में स्थापित किया जा सकता है और दूसरा घर में कोई भी व्यक्ति अपने बिस्तर के नीचे रख सोते वक्त स्वास्थ्य बदलावों पर निगरानी रख सकता है। यह अभी देश के 300 से भी ज्यादा सरकारी अस्पतालों में स्थापित हो चुका है।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने संसद भवन पहुंचकर नामांकन दाखिल कर दिया है। सिन्हा के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, द्रमुक के ए राजा और नेकां नेता फारूक अब्दुल्ला सहित कई शीर्ष विपक्षी नेता मौजूद थे। बता दें कि एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू पिछले हफ्ते ही अपना नामांकन पत्र दाखिल कर चुकी हैं। कांग्रेस समेत 17 विपक्षी दलों ने यशवंत सिन्हा को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए समर्थन देने का फैसला किया है।

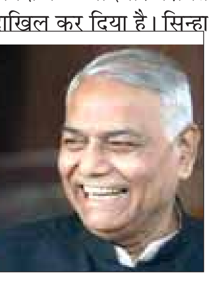

कांग्रेस प्रत्याशी के बॉयफ्रेंड संग भागने का अंदेशा

ससुराल से हुईं लापता, थाने में रिपोर्ट दर्ज

भिंड,एजेंसी। मध्य प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज है। लेकिन इस बीच यहां कांग्रेस की एक प्रत्याशी अचानक लापता हो गई हैं। कांग्रेस की शादीशुदा महिला प्रत्याशी के गायब होने के बाद कई तरह की चर्चा हो रही है। रविवार को महिला प्रत्याशी अपने ससुराल से लापता हुई हैं। यह मामला अब थाने तक पहुंच चुका है और पुलिस की छानबीन जारी है। मामला भिंड जिले का है। भिंड के लहार नगर पालिका से कांग्रेस की महिला प्रत्याशी को लेकर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है। लहार थाने के प्रभारी शिव सिंह यादव ने मीडिया को जानकारी दी है कि वार्ड संख्या - 11 की कांग्रेस प्रत्याशी लापता हो गई हैं। रविवार की रात वो अपने ससुराल मढ़यापुरा में थीं। लेकिन रात के बाद से ही उनका कुछ भी पता नहीं है। उनके लापता होने के बाद ससुराल के लोगों ने थाने में गुमशुदगी का केस दर्ज करवाया है। पुलिस ने इस पूरे मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।

कोरोना के मामलों में भारी बढ़ोतरी

50 फीसदी अधिक मिले मरीज, 21 की मौत

नई दिल्ली ,एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी ने एक बार फिर से लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी सोमवार के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 17,073 नए मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में लगभग 50 फीसदी अधिक है। वहीं इस दौरान 21 मरीजों की जान चली गई। बता दें कल के आंकड़े में 11,739 मामले सामने आए थे और 25 मरीजों की मौत हुई थी। हालांकि, बीते 24 घंटों में 15,208 लोग डिस्चार्ज भी हुए। देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 94,420 हो गई है जो कि कल की तुलना में 1,844 अधिक है। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 52,50,20 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली में बीते 24 घंटों में कोरोना के 666 नए मामले सामने आए हैं और छह लोगों की मौत हो गई। वहीं संक्रमण दर 7.8 फीसदी दर्ज की गई। कुल सक्रिय मामलों की संख्या 4717 है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि बीते एक सप्ताह में 17 जून को दिल्ली में 190 कंटेनमेंट जोन) थे, जो 24 जून तक बढ़कर 322 हो गए हैं। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटों में कोरोना के 6,493 मामले सामने आए हैं और इस दौरान पांच मरीजों की मौत हो गई। इसी के साथ राज्य में कुल संक्रमितों की तादाद ब ?कर 79,56,848 और मृतकों की संख्या बढ़कर 1,47,905 हो गई है। पुणे के बीजे मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सब वैरिएंट क्च.5 के 3 और क्च.4 के 2 रोगियों का पता चला। विभाग ने बताया कि ये सभी नमूने 10 से 20 जून 2022 के दौरान एकत्र किए गए थे।

यौन उत्पीड़न : गुंडेचा बंधुओं की मुश्किलें बढ़ीं

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित ध्रुपद संस्थान के गुंडेचा बंधुओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप में कार्रवाई की मांग को लेकर विदेश से 12 महिलाओं ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इन महिलाओं ने अपनी याचिका में हाईकोर्ट से न्याय की गुहार लगाई है। ध्रुपद संस्थान यूनेस्को से मान्यता प्राप्त है। दरअसल, जिन लोगों ने हाईकोर्ट की प्रधान पीठ में हस्तक्षेप आवेदन (आईए) दायर किया है, वे कभी ध्रुपद संस्थान की छात्राएं थीं, जो अब संयुक्त राज्य अमेरिका, स्वीडन, कनाडा, पोलैंड, स्पेन, ऑस्ट्रिया और जर्मनी में हैं। महिलाओं के वकील ध्रुव वर्मा ने बताया कि इन पीड़ितों ने भी आरोप लगाया है कि प्रसिद्ध गुंडेचा बंधुओं-दिवंगत रमाकांत गुंडेचा, उमाकांत गुंडेचा और

विदेश से 12 महिलाओं ने खटखटाया मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का दरवाजा

पखवाज की भूमिका निभाने वाले अखिलेश गुंडेचा ने उनका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा कि इस याचिका को एक आंतरिक शिकायत समिति की एक जांच रिपोर्ट के समर्थन में दायर किया गया है, जिसने 2020 में विदेश से एक महिला द्वारा गुंडेचा बंधुओं के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच की थी। रिपोर्ट में उन्हें गलती पाए जाने के बाद गुंडेचा ने आईसीसी को प्रतिवादी बनाते हुए एक रिट याचिका दायर करके निष्कर्षों के खिलाफ मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का रुख किया। वर्मा ने कहा कि रिट याचिका की सुनवाई मंगलवार (28 जून) को होनी है।

जब इस याचिका पर प्रतिक्रिया जानने के लिए 63 वर्षीय उमाकांत गुंडेचा से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

उत्तराखंड में महिला और 6 साल की बेटी से रेप

लिफ्ट देने के बहाने कार में बिठाया दुष्कर्म के बाद सड़क पर फेंका

हरिद्वार,एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की में एक महिला और उसकर छह साल की बच्ची के साथ चलती कार में गैंगरेप किया गया। पुलिस के मुताबिक, एक शख्स और उसके दोस्तों ने उन दोनों को लिफ्ट देने के बहाने कार में बिठाया था ।पुलिस ने बताया कि रात के समय महिला अपनी बेटी के साथ एक मुस्लिम धार्मिक स्थल पीरन कलियार से लौट रही थी, जब उसे सोनू नाम के एक शख्स ने लिफ्ट दी। उस कार में सोनू के कुछ दोस्त भी बैठे थे ।महिला और बच्ची को नहर के पास फेंक के फरार हुए आरोपी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस प्रमेंद्र डोवाल ने बताया कि महिला के आरोप के मुताबिक सोनू और उसके दोस्तों ने महिला और बच्ची का रेप किया और एक नहर के पास दोनों को फेंक कर चले गए। महिला किसी तरह आधी रात को पुलिस स्टेशन पहुंची और पुलिस को इस घटना के बारे में बताया। पुलिस ने बताया कि महिला यह ठीक-ठीक नहीं बता सकी कि कार में कितने लोग बैठे थे, हालांकि उसने यह बताया कि कार चलाने वाले शख्स का नाम सोनू था। दोनों को रुड़की सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इस बात की पुष्टि हुई कि दोनों के साथ रेप हुआ है।

निर्विरोध निर्वाचित प्रतिनिधियों से मुख्यमंत्री ने किया संवाद

भोपाल ,यश भारत। पंचायतों और नगरीय निकाय चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हुए प्रतिनिधियों से आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाद किया। कार्यक्रम सीएम आवास पर ही आयोजित किया गया। प्रदेश में 690 पंचायतें निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। वहीं, नगरीय निकायों में 109 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने पंचायतों में निर्विरोध निर्वाचन को प्रोत्साहन देने के लिए पुरस्कार देने की घोषणा की थी। इसका असर चुनाव में देखने को मिला और 690 पंचायत में निर्विरोध निर्वाचन हुआ। अब उन्होंने इन पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों से चर्चा की।

मध्य प्रदेश में 690 पंचायतें निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं, वहीं, नगरीय निकायों में 109 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

कांग्रेस ने बताया आचार संहिता का उल्लंघन

वहीं, प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने इस आयोजन को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव प्रक्रिया चल रही है। पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के दो-दो चरण होने हैं। ऐसे में इस तरह का आयोजन करना आचार संहिता का उल्लंघन है। राज्य निर्वाचन आयोग से उन्होंने कार्रवाई करने की मांग की है।

जबलपुर के एक गांव में बिहार से पहले शराब बंदी

देवरी नवीन में पीते पकड़े गए तो लगता है 10 हजार

जबलपुर यश भारत। मध्यप्रदेश के जबलपुर में एक ऐसा भी आदिवासी गांव है जहां बिहार से पहले शराबबंदी लागू है। इस गांव के लोगों ने ऐसी मिसाल पेश की गांव में कोई भी शराब पीकर या लेकर नहीं आता।कहते है शराब सामाजिक बुराई है जिसे मिलजुलकर ही खत्म किया जा सकता है। यह स्लोगन अक्सर आपने सुना होगा लेकिन इसका पालन कोई नहीं करता। हर समाज वर्ग के लोग नशे के इस सस्ते और सुलभ साधन से परेशान हैं। फिर भी इससे छुटकारा नहीं पा सकते लेकिन हम आपको बताने जा रहे है। एक ऐसे गांव कहानी जो जबलपुर का एक आदिवासी बाहुल्य गांव इस मामले में अलहदा साबित हो रहा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस गांव में रहने वाले लोगों ने बीते 12 वर्षों से शराब को नजदीक से देखा तक नहीं है। दरअसल 12 वर्ष पूर्व गांव के लोगों ने शराबबंदी का संकल्प लिया और तब से आजतक इस गांव में न तो शराब खरीदी गई, न बेची गई और न ही किसी ने इसे हाथ लगाया, यदि कोई शख्स बाहर से शराब लेकर जाए या पीकर आये तो समझो उसकी खैर नहीं क्योंकि ग्राम पंचायत द्वारा शराब के उपयोग पर सीधे 10 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया है। यह सब बकायदा प्रस्ताव पारित कर किया गया था यानि इस गांव में अपनी ही एक सरकार चलती है जो लोगों की जिंदगी को शराब जैसी बुराई से बचाकर रखे हुए है। आइए आपको भी मिलवाते हैं। जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर इस गांव से और बताते हैं शराब बंदी की अनोखी कहानी। बरगी विधानसभा के आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायत देवरी नवीन के पंचों एवं महिलाओं ने शराब बंदी को लेकर आपसी

सौहार्द्र से 12 वर्ष पूर्व एक ऐतिहासिक फैसला लिया था। ग्राम पंचायत द्वारा नशामुक्ति के लिए एक समिति का गठन करते हुए ग्राम पंचायत में शराब बंदी करने का निर्णय लिया गया और इस मामले को लेकर एक संकल्प पारित करते हुए गांव में बैठक कर इसको पूरा किया गया। शराब हर विवाद की जड़ है, शराब से अच्छे-अच्छे घर बर्बाद हुए तो कई परिवार बिखर गए। यह नौबत कभी गांव में न आए इसलिए गांव की पंचायत ने शराब बिक्री पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाने के साथ पीने वाले व्यक्ति पर 10 हजार जुर्माना और गाली-गलौज करने वाले पर 5 हजार जुर्माना लगाने का निर्णय लिया और हैरानी की बात यह है कि खेती और मजदूरी करने वाले आदिवासी परिवारों ने इतनी बड़ी रकम का जुर्माना लगाना स्वीकार भी किया। इसके बाद क्या है जहां चाह है वहां राह है के सिद्धांत पर चलते हुए ग्रामीण आदिवाससी बीते 12 सालों से इस नियम को परंपरा मानकर रहते चले आ रहे हैं। गांव के मुखिया जय सिंह बरकड़े बताते है कि ग्राम पंचायत देवरी नवीन के साथ तिन्हेटा और बाड़ीबारा गांव में शराब पीने वाले व्यक्ति पर जुर्माने लगाने का नियम है। यह सब वहां की महिलाओं के संकल्प से हुआ है। महिलाएं आगे आकर खुद शराब पीने वाले व्यक्ति का नाम बताती है। इसके साथ ही शराब पीने वाले व्यक्ति से जुर्माने के रूप में जो राशि मिलती है वह गांव के विकास, गरीब बच्चों की शादी और शिक्षा जैसे कार्यों पर खर्च की जाती है।

गांव की महिला पंच झूना बाई मरकाम बताती है की एक दौर था जब ग्राम पंचायत के हर मोहल्ले में जगह-जगह अनाधिकृत रूप से शराब बनाई जा रही थी और खुलेआम उसकी बिक्री होती थी। शराब के कारण ग्राम पंचायत के युवा और बुजुर्ग शराब के आदी हो रहे थे और चारों ओर अशांति फैल रही थी। शराब की बिक्री के कारण गांव में जनमानस और महिलाओं तथा छोटे बच्चों पर विपरीत असर पड़ रहा था। शराब बंदी का निर्णय लेने के बाद शुरूआती सालों में शराबियों को काफी परेशानी भी हुई क्योंकि शराब बेचने और पीने वाले को सबसे पहले समिति के सामने पेश किया जाता था फिर समिति के सदस्य पूरी जानकारी के साथ ग्राम पंचायत में मामले को लाते थे। जहां ग्राम पंचायत द्वारा शराब पीने वालों ओर बेचने वाले दोनों पर जुर्माना लगा देते थे। लेकिन विगत पांच वर्षों से गांव में शराब पीने, बेचने का एक भी मामला सामने नहीं आया और पूरा गांव अब शराब मुक्त हो चुका है।

गांव की पंचायत ने कई नजीर किए पेश

गांव की सरपंच रामकुमार सैयांम बताते हैं कि गांव के एक युवक द्वारा रोज शराब पीकर अपने घर आते थे। इस बात से परेशान होकर उनकी पत्नी ने ही इसकी शिकायत गांव की पंचायत से की। जिसके बाद गांव की पंचायत ने अपना फैसला सुनाया और युवक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। ऐसा ही एक मामला और गांव की पंचायत में आया जहां गांव के कुछ लोगों ने शिकायत की गांव एक युवा आए दिन बाहर से शराब लाकर गांव में बेच रहा हैं। फिर क्या गांव के पंचायत ने फैसला सुनाते हुए इन पर भी 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। जिसके बाद पंचायत ने इस जुर्माने की रकम का सदुपयोग पंचायत में होने वाले शुभ कार्यों के लिए बर्तन खरीदे गए। रामकुमार बताते हैं कि ऐसे दर्जनों नजीर सामने आए। जिन्हें जुर्माना लगाकर हिदायत दी गई। जिसका नतीजा यह निकला की दो-तीन सालों से शराबखोरी का एक भी मामला सामने नहीं आया। शराबबंदी के लिए पूर्व में कलेक्टर, कमिश्नर और मुख्यमंत्री तक इसकी सराहना कर चुके हैं। लेकिन आदिवासी बाहुल्य होने के कारण इसका प्रचार-प्रसार नहीं किया गया यही वजह है कि मिसाल बनने के बाद भी दूसरे गांव इससे सीख नहीं ले पा रहे हैं। बहरहाल गांव के लोग इस बात से खुश हैं कि उनके गांव में शराब बंद है और उनकी मेहनत की कमाई फिजूल खर्च में बर्बाद नहीं होती।

डॉ नाना जी की परिकल्पना को पूरा करना हम सभी का कर्तव्य

नानाजी देशमुख प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

जबलपुर,यशभारत। डॉ नाना जी देशमुख की परिकल्पना को पूरा करना हम सभी का कर्तव्य एवम दायित्व भी है । यह बात अतिथियों ने नानाजी देशमुख प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, जबलपुर की वार्षिक साधारण सभा में कही। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ कपिल देव मिश्र, बिलासपुर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ ए डी एन बाजपेई,जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी के बिसेन ,विधाभारती पूर्वोत्तर क्षत्रिय संगठन मंत्री डॉ पवन तिवारी, चित्रकूट से डॉ नंदिता पाठक , डॉ विजय आंनद मरावी , डॉ अतुल दुबे , विपुल वर्धन जैन, मान सिंह ,सचिन अग्रवाल अधिवक्ता , डॉ अंकित पांडेय,सहित कार्यसमिति के सदस्य एवमं विशेष आमंत्रितजनों की उपस्थित में बैठक प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम आमंत्रित अतिथियों के द्वारा नानाजी के तैल चित्र पर माल्यर्पण ,दीप प्रज्वल कर आमसभा का शुभारंभ हुआ । संचालन सचिव डॉ आशीष मिश्रा ने किया अतिथियो का परिचय एवम आभार डॉ आदित्य मिश्रा ने किया वार्षिक आय व्यय प्रतिवेदन डॉ मरावी ने किया इस अवसर पर श्रीमती पाठक ने नाना जी कई संस्मरणों को साझा किया डॉ विसेन जी ने कृषि प्रधान देश एवम ग्राम विकास को बड़ी ही सारगर्भित उदाहरण देकर सरल शब्दों में समझाया । डॉ बाजपेयी ने कहा कि अब यह संस्थान आगे और तरक्की करे उसके लिये हर सम्भव सहयोग किया जाएगा कार्यक्रम संगोष्ठी कक्ष, पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, साउथ सिविल लाइंस में सम्पन्न हुआ।

दरबारे सफवी में उर्स आज

जबलपुर यशभारत। उत्तर मोतीनाला स्थित दरबारे सफवी में सोमवार को हज़रत शाह अजमतुल्लाह अलमारूफ शेख बाबू रज्जब चिश्ती रहमतुल्लाह अलहै के 38 वे उर्स मुबारक का एहतेमाम किया गया है। इस मौके पर सुबह कुरानख्वानी होगी। दोपहर बाद नमाज़ जुहर चादर गागर जुलूस निकलेगा। गश्त करते हुए जुलूस मंडी मदार टेकरी पहुंचेगा। जहाँ मज़ार शरीफ पर चादर पोशी की जाएगी। नज़रो न्याज़ के बाद तबरुक तक़सीम किया जाएगा। रात्रि में महफिले कव्वाली मे कव्वाल सूफियाना कलाम पेश करेंगे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का दूसरा चरण नजदीक

जबलपुर,यशभारत। मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए दूसरे चरण का मतदान का समय बिल्कुल नजदीक आ चुका है। इसी के चलते जबलपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस अब एक्शन मोड में हैं। सुबह से रात तक पुलिस गांव गांव घूम रही है। पैदल मार्च निकाला जा रहा है, पेट्रोलिंग पार्टियां घूम रही है। अवैध शराब पुलिस के टारगेट पर है। प्रत्याशी और इनके करीबियों पर विशेष निगाह रखी जा रही है। संवेदनशील मतदान केंद्र के आसपास अधिक सुरक्षा रखी जा रही है। वही चरगवां थाना प्रभारी विनोद पाठक ने बताया की मतदान के लिए चरगवां थाना

पुलिस अब एक्शन मोड में

क्षेत्र में 68 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 5 संवेदनशील मतदान केंद्र है। जिनमे 28 ग्राम पंचायत एवं पंच, जनपद सदस्य, और जिला सदस्य के लिए मतदान होना है। मतदान वाले दिन हर एक मतदान केंद्र में पुलिस मोबाइल पेट्रोलिंग करेगी। संवेदनशील मतदान केंद्र पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। जो वहां आने जाने वाले हर एक व्यक्ति पर नजर रखेंगे। वही पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए पुलिस ने 22 लोगो के खिलाफ धारा 110 गुंडा एक्ट के तहत और 115 लोगो के खिलाफ धारा 107, 16 के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस को अंदेशा है की यह वह बदमाश है, जो चुनाव प्रभवित कर सकते हैं। जिनके खिलाफ यह कार्यवाही की गई है। यह कार्रवाई लगातार उन पंचायती में चल रही है जहां हंगामा झगड़े होने की आशंका है। बहरहाल चरगवां थाना प्रभारी विनोद पाठक का कहना है कि यह पूरी कार्यवाही पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा के निर्देशन में कई जा रही है। इसके साथ ही बनाए गए सभी मतदान केंद्रों पर पुलिस का सख्त पहरा है। संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पुलिस एवं वरिष्ठ अधिकारियों की टीम लगातार पेट्रोलिंग कर रही है। शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए वह किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

अन्तरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस आयोजन कल महाकोशल चेम्बर सभागार में

जबलपुर,यशभारत। महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंण्डस्ट्री एवं इंस्टिट्यूट ऑफचार्टेड एकाउंटेंट ऑफ इण्डिया, जबलपुर ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम दिवस का आयोजन 27 जून 2022 को मध्यान 3. 30 बजे महाकोशल चेम्बर सभागार, सिविक सेंटर में आयोजित किया गया है इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप विपिन कुमार जैन अध्यक्ष म प्र स्माल स्केल इंडस्ट्रीज ऑर्गनाइजेशन भोपाल होंगे तथा एमएसएमई परिचय विशेषताए एवं विकास की शासकीय योजनाओं पर विशेषज्ञ प्रदीप बिश्वारी व मनोज खेरा द्वारा पॉवर पॉइंट प्रेसेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी जावेगी। चेम्बर प्रवक्ता हेमराज अग्रवाल द्वारा बतलाया गया की औद्योगिक क्रांति व आर्थिक विकास के साथ साथ रोजगार उन्नयन के क्षेत्र में सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यमों द्वारा किए जा रहे कार्यो के परिणाम स्वरुप आज भारत वर्ष के ळक्क् में लगभग 65: का योगदान है आज शासन स्तर पर इस क्षेत्र विशेष के विकास तथा प्रचार प्रसार के क्रम में अनेक योजनाए व छूट उपलब्ध कराई गई है जिसका की विवरण इस आयोजित बैठक में विषय विशेषज्ञों द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टेड एकाउंटेंट ऑफ इण्डियाए जबलपुर ब्रांच के अध्यक्ष सुकेश चौरड़िया, सेक्रेटरी हेमंत लालवानी, चेम्बर अध्यक्ष रवि गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेश चंडोक हेमराज अग्रवाल ,शंकर नाग्देव, युवराज जैन गढ़ावाल, अखिल मिश्र, अनूप अग्रवाल, अनिल जैन पाली ने उपस्थिति की अपील की है ।

मौसम के बदले अंदाज, उसम से परेशान लोगों को राहत

आज भी झमाझम बारिश के आसार

जबलपुर यशभारत। रविवार की शाम उमड़- घुमड़ के साथ हुई जोरदार बारिश ने शहर को तरबतर कर दिया। जबलपुर सहित संभाग के जिलों में भी झमाझम बारिश के आसार बन रहे हैं। आज भी गरज-चमक के साथ अच्छी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। आज को सुबह से ही बादल छाए थे।फिर धूप निकल आई पर मौसम के बदले अंदाज से उसम भरी गर्मी से हलकान लोगों को भी काफी हद तक राहत मिल रही है। मौसम विभाग की माने तो दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा अभी भी पोरबंदर, बड़ौदा, शिवपुरी, रीवा और चुर्क से गुजर रही है। 28 और 29 जून से पूरे मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश, गरज-चमक की गतिविधियों में वृद्धि के साथ मानसून के आगे बढ़ने की संभावना बनी हुई है। विदित हो कि मानसूनी गतिविधियां कमजोर पड़ने से सूरज के तेवर तल्ख थे। तेज धूप और उसम भरी गर्मी लोगों को बेचैन करती रही। 20 जून से जबलपुर में बारिश की एक बूंद नहीं गिर थी। वर्तमान में पूर्व-पश्चिम ट्रफ पश्चिमोत्तर राजस्थान के ऊपर सक्रिय चक्रवातीय परिसंचरण से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओड़िशा और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है। वहीं पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर अन्य चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है, साथ ही दक्षिणी गुजरात से उत्तरी केरल तक अपतटीय ट्रफ भी सक्रिय है। जबकि दक्षिणी छत्तीसगढ़ के ऊपर सक्रिय चक्रवातीय परिसंचरण से लेकर दक्षिणी गुजरात-कोंकण तक अन्य ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। इस तरह मानसूनी गतिविधियां बनने से 30 जून तक जबलपुर सहित संभाग के जिलों में कहीं कम तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने बारिश का येला अलर्ट जारी किया है।

कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित रखना चाहती है सरकार

जबलपुर,यशभारत। पदोन्नति न होने से मध्य प्रदेश के 10 लाख कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है । म.प्र.तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया की विगत लगभग 10 वर्षों से राज्य कर्मचारियों की पदोन्नति नहीं हो रही है कर्मचारी बिना पदोन्नति के ही सेवा निवृत्त हो जा रहे है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सरकार को कर्मचारियों की पदोन्नति देने के संबंध में स्वतंत्र कर दिया गया है। उक्त तारतम्य में राज्य शासन द्वारा पदोन्नति हेतु मंत्री समूह की पदोन्नति समिति का गठन किया गया है, उक्त कमेटी की अनेकों दौर की बैठक होने के बाद भी पदोन्नति पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है। पूरे देश में केवल म.प्र. शासन द्वारा अपने कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित रखा गया है।

पदोन्नति की इस हीला हवाली से ऐसा प्रतीत होता है की शासन अपने कर्मचारियों को कभी सर्वोच्च न्यायालय के नाम पर कमी कर्मचारी संगठनों के आपसी मतभेद के नाम पर पदोन्नति से वंचित रखना चाहती है। शासन की इस कर्मचारी विरोधी नीति से प्रदेश के लगभग 10 लाख कर्मचारियों में निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है। संघ के योगेन्द्र दुबे, अर्वेन्द्र राजपूत, अवधेश तिवारी, अटल उपाध्याय, मुकेश सिंह, मन्सूर बेग, आलोक अग्निहोत्री, दुर्गेश पाण्डे, आशुतोष तिवारी, डॉ0संदीप नेमा, बृजेश मिश्रा, एस.पी.वाथरे, वीरेन्द्र चन्देल, सुरेन्द्र जैन, नेतराम झारिया, संतकुमार छीपा, श्रीराम झारिया, श्यामनारायण तिवारी, योगेन्द्र मिश्रा, महेश कोरी, मनीष लोहिया, संतोष तिवारी, प्रियांशु शुक्ला, विनय नामदेव, पवन ताम्रकार, विष्णु पाण्डे, मनोज सेन, धीरेन्द्र सोनी, मो.तारिख, मनीष शुक्ला, सोनल दुबे, देवदत्त शुक्ला, आदि ने मुख्यमंत्री मंत्री से मांग की है कि राज्य कर्मचारियों की पदोन्नति पर शीघ्र निर्णय लिया जाये।

राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से पा सकते है व्यसनों से मुक्ति :बी के विमला दीदी

जबलपुर,यशभारत। इस सदी की सबसे भयानक समस्या है , मादक पदार्थो का सेवन. किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नाश की जड़ है। इसके सेवन से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक ,आर्थिक,सामाजिक और चारित्रिक रूप से विनाश के गर्त में गिर जाता है .एक बार लत लगने के बाद मादक पदार्थो के सेवन की आदत आसानी से नहीं छूटती है ,इसकी तलब इतनी खतरनाक हो जाती है कि व्यक्ति की मनोदशा विक्षिप्त के समान हो जाती है और नशे की तलब की पूर्ती के लिए वह लूट पाट , चोरी डकैती आदि अनैतिक कार्य करने से भी नहीं चूकता है . उक्त विचार वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी के विमला दीदी जी ने अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर आयोजित परिचर्चा ,मेरा भारत, व्यसन मुक्त भारत में व्यक्त किये. आपने आगे नशा निवारण के उपाय के रूप में राजयोग के अभ्यास के महत्व को बतलाते हुए कहा ,राजयोग के अभ्यास से मनुष्य अपनी सारी कमजोरियों पर जीत पा सकता है । इस अवसर पर जी सी एफ के ब्रिगेडीयर

विमलेन्दु महापात्र ने कहा , मुख्यत: नशे के सेवन की शुरुआत तो अपने तनाव को कम करने के साधन के रूप में होती है और फिर धीरे धीरे यह लत मनुष्य को अपने चंगुल में फंसा लेती है . सामाजिक संस्थाओं के द्वारा इस तरह के आयोजन किया जाना नशे के निवारण में बहुत सहयोग देते है । नवज्योति नशा मुक्ति केंद्र के संचालक हेमंत सोलंकी ने कहा वर्तमान समय में बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा के कारण हो रहे मानसिक तनाव को नहीं झेल पाने के कारण युवा वर्ग नशीले पदार्थो के सेवन की ओर अग्रसर हो जाता है , ऐसे समय में मेडिटेशन के अनुभव से वह अपने तनाव को कम करने के दिशा में सार्थक कदम उठा सकता है. । केंसर रोग विशेषज्ञ डॉ कावेरी शा ने कहा ,नशीले पदार्थो के सेवन से अनेक तरह की शारीरिक और मानसिक व्याधियां उत्पन्न होती है और धीरे धीरे इनका सेवन करने वाले व्यक्ति के पूरे परिवार और सामाजिक परिवेश पर इसका प्रभाव पड़ता है. हमें इस के सेवन को रोकने के लिए हर तरह से प्रयास करने होगे ताकि अहम युवा पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित कर सके। संचालन बी के विनीता बहन ने किया।

लिपिकों के रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही शीघ्र करे सरकार - माँग

अनियमितताओं को रोकने हेतु लिपिकीय पदों की शीघ्र पूर्ति की जाए*

जबलपुर,यशभारत। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संघ ने सरकार से मांग की है कि लिपिकों के रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जाए। संघ के जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मॉर्टिन के अनुसार राज्य के विभिन्न विभागों मे लिपिकीय कर्मचारी लगातार सेवानिवृत होते जा रहे है, परंतु रिक्त पदों की पूर्ति नहीं की जा रही है. जिससे कार्यालयीन कार्य प्रभावित हो रहा है, अन्य केडर के कर्मचारियो को अपना मूल कार्य छोड़ लिपिकीय कार्य अपने कार्य के अतिरिक्त मजबूरी मे करना पड़ रहा है. अन्य केडर के कर्मचारी लिपिकीय कार्य मे दक्ष नहीं होने के कारण कई वित्तीय, वेतन निर्धारण इत्यादि अन्य अनियमितताये आये दिन होती रहती है. जिसका खामियाजा सरकार और कर्मचारियों को भोगना होता है.शासन से निवेदन है की शीघ्र ही समस्त विभागों में लिपिकीय रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही करे.। संघ के स्टेनली नॉर्बट, दिलीप सिंह ठाकुर, हेमंत ठाकरे, शहीर मुमताज, राकेश श्रीवास,क्रिस्टोफर नरोन्हा,सुधीर पॉवेल,रॉबर्ट फ्रांसिस, दिनेश गौड़, आर पी खनाल,संतोष चौरसिया,राजकुमार यादव,धर्मेंद्र परिहार,विश्वनाथ सिंह,आकाश भील,राशिद इत्यादि ने मांग की है।

माढ़ोताल से गायब 5 वीं के छात्र भोपाल में मिले

भाई के कपड़े फट गए थे नए दिलाने गए थे बड़े शहर

जबलपुर, यशभारत। माढ़ोताल की पुरानी बस्ती स्थित शासकीय स्कूल से पांचवी में पढ़ने वाले दो छात्र स्कूल से घर नहीं लौटे। परिजनों की रिपोर्ट पर पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया था। जिसके बाद दोनों छात्र भोपाल जीआरपी को मिले। दोनों स्टेशन में संदिग्ध अवस्था में खड़े थे, जिनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि वह कपड़े खरीदने भोपाल आए है। जिसके बाद दोनों को जीआरपी ने चाइल्ड केयर को सौंप दिया और मामले की सूचना माढ़ोताल पुलिस को दी। आज सोमवार को संभवत: शाम तक दोनो छात्र शहर पहुंच जाएंगे। जहां उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बबीता महदेले पति जससिंह महदेले 30 वर्ष मूलत: ग्राम पड़वार थाना सिमरिया जिला पन्ना के निवासी है। लेकिन मजदूरी करने के लिए वर्तमान में रमेश पटैल का मकान माढ़ोताल पुरानी बस्ती में रह रहे है। उनका 11 वर्षीय बालक पुरानी बस्ती स्थित शासकीय स्कूल में पढ़ता था। जो कल शाम को घर नहीं पहुंचा। तो वहीं, पुरानी बस्ती में रहने वाले 14 वर्षीय बालक की माता दीपा अहिरवार पति स्व दीनदयाल अहिरवार उम्र 32 साल ने बताया था कि उनका बालक भी शासकीय स्कूल, पुरानी बस्ती का छात्र है। जो कल 10 बजे स्कूल गया था, लेकिन शाम को 4 बजे के बाद भी घर नहीं आया। बहुत पता किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

किसी ने बताया था- भोपाल में मिलते है अच्छे कपड़े

भोपाल जीआरपी ने जब दोनों बालकों को दस्तयाब कर पूछताछ की तो पता चला कि बालक अबोध है। किसी ने बताया था कि नए कपड़े भोपाल में मिलते है। जो बहुत अच्छे होते है। जिसके बाद दोनों दोस्तों ने प्लान बनाया और जबलपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन में बैठकर भोपाल पहुंच गए। जहां वह कपड़े खरीदने ही वाले थे कि तभी जीआरपी पुलिस की नजर दोनों बालकों पर पड़ गयी। स्टेशन पहुंचने ही दोनों यहां-वहां देख रहे है। जिन्हें जब जबलपुर लाया जा रहा है।

पहले की थी चोरी

पुलिस ने बताया कि दोनों बालक शैतान प्रवृत्ति के हैं। इसके पहले भी दोनों ने एंगल आदि की चोरी की थी, लेकिन पुलिस ने समझईश देकर जाने दिया था। दोनों ही चंचल है और यहां-वहां घूमते रहते है। फिलहाल दोनों के मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है।

मैकल रिसोर्ट के पास बरगी डैम में डूबे युवक शव मिला

जबलपुर, यशभारत। थाना बरगी के चौकी बरगी नगर अंतर्गत मैकल रिसोर्ट के पास बरगी डैम में नहाते समय डूबे युवक की लाश आज सोमवार को बरामद की गई है। परिजनों ने जैसे ही अपने लाडले का शव देखा तो चीख पड़े। पुलिस ने मर्ग कायम कर, जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार युवक की डूबने की सूचना पर पहुंची पुलिस को निशांत पाण्डे उम्र 28 वर्ष निवासी तिलहरी ने बताया कि छोटे भाई दीक्षांत पाण्डे 21 वर्ष, एवं बुआ के बेटे अभिषेक, आयुष के साथ बरगी डैम घूमने आया था, जहां नहाते समय छोटा भाई दीक्षांत पाण्डे डूबने लगा जिसे चेन बनाकर बचाने का प्रयास किया गया पर नहीं बचा पाए। छोटा भाई दीक्षांत डूब गया है।

नगरीय निकाय चुनाव दूसरे चरण का रेंडमाइजेशन

जबलपुर,एजेंसी। नगरीय निकायों के निर्वाचन की तैयारियों के तहत आज रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के वीसी कक्ष में चुनाव प्रेक्षक उपेंद्रनाथ शर्मा तथा अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नम: शिवाय अरजरिया की उपस्थित में नगर पालिका सिहोरा एवं पनागर तथा नगर परिषद बरेला एवं भे?ाघाट में मतदान में इस्तेमाल की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक

वोटिंग मशीनों का दूसरे चरण का रेण्डमाईजेशन सम्पन्न हुआ। ईव्हीएम की दूसरे चरण की रेंडमाइजेशन की प्रकिया एनआईसी के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी आशीष शुक्ला ने सम्पन्न कराई। श्री शुक्ला ने बताया कि रेंडमाइजेशन की इस प्रक्रिया में नगर पालिका पनागर के 15 वार्ड के 32 मतदान केंद्र, नगर पालिका सिहोरा के 18 वार्ड के 42 मतदान केंद्र, नगर परिषद बरेला के 15 वार्ड के 17 मतदान केंद्र तथा नगर परिषद भेड़ाघाट के 15 वार्ड के 15 मतदान केंद्र हेतु आवश्यक संख्या में ईव्हीएम की बेलट एवं कन्ट्रोल यूनिट तथा रिजर्व में रखी जाने वाली कन्ट्रोल एवं बेलट यूनिट का आवंटन किया गया।उन्होंने बताया कि रेण्डमाइजेशन में कमीशनिंग के लिए भी रिजर्व मशीनों का आवंटन किया गया। नगर निगम निर्वाचन हेतु प्रत्येक वार्ड के लिए बेलट यूनिट एवं कन्ट्रोल यूनिट के तीन सेट, नगर पालिका निर्वाचन हेतु प्रत्येक वार्ड के लिए दो सेट तथा नगर परिषद निर्वाचन हेतु प्रत्येक वार्ड के लिए बेलट यूनिट एवं कन्ट्रोल यूनिट का एक सेट रिजर्व में रखने के निर्देश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये हैं। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी के मुताबिक आज सम्पन्न हुई दूसरे चरण की रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया से नगर पालिका सिहोरा के लिए कुल 82 बेलट यूनिट एवं 82 कन्ट्रोल यूनिट, नगर पालिका पनागर के लिए 65 बेलट यूनिट एवं 65 कन्ट्रोल यूनिट, नगर परिषद बरेला के लिए 34 बेलट यूनिट एवं 34 कन्ट्रोल यूनिट तथा नगर परिषद भेड़ाघाट के लिए 32 बेलट एवं 32 कन्ट्रोल यूनिट का आवंटन किया गया। रेंडमाइजेशन इस प्रक्रिया के दौरान सभी संबंधित आरओ एवं एआर ओ तथा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

कोतवाली में नौकरानी निकली चोर

टाइल्स व्यापारी का लॉकर क्रेक कर चुराए 80 हजार नगद और लाखों के जेवरात

पुलिस ने दबोचा

जबलपुर, यशभारत। कोतवाली के विवेकानंद वार्ड चेरीताल में टाइल्स व्यापारी ने घरेलु कार्य करने युवती को काम पर रखा, लेकिन उसकी नजर व्यापारी के लॉकर पर थी। जिसके बाद नौकरानी ने घर में काम के बहाने धीरे-धीरे चोरी करना शुरु कर दिया। पहले तो व्यापारी को कुछ पता नहीं चला लेकिन जब लॉकर से 80 हजार रुपये की रकम गायब हो गयी तो व्यापारी को शक हुआ और जब उसने सीसीटीव्ही फुटेज चेक किया तो दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद नौकरानी घर में काम करना बंद कर गायब हो गयी। जिसके बाद व्यापारी ने कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की। पुलिस को मिले फुटेज के बाद शातिर नौकरानी को दबोच लिया। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शिवा अग्रवाल पिता प्रमोद अग्रवाल निवासी चेरीताल सुभाष ट्रांसपोर्ट के सामने ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसने अपने घर में काम के लिए अंजली अहिरवार 20 साल को घर पर रखा था, जो स्थानीय है और गरीब परिवार से थी, उसे लगा कि परिवार की मदद भी हो जाएगी। लेकिन धीरे-धीरे उसने नगदी 80 हजार रुपए और सोने चांदी के जेवरात पार पर फरार हो गयी।

पुलिस ने किए जेवरात समेत 75 हजार बरामद

रिपोर्ट के बाद पुलिस ने शातिर चोरनी को गिरफ्तार कर, उसके कब्जे से सोने और चांदी के जेवरात समेत नगदी जब्त की है, शेष पांच हजार रुपए से नौकरानी ने चूड़ी और बिन्दियां खरीद लीं। पुलिस युवती से सख्ती से पूछताछ कर रही है।

बाइक सवार झपट्टा मारकर ले भागे पर्स

जबलपुर, यशभारत। अधारताल के सन्मति नगर में देर रात दो बाइक सवारों ने पैदल जा रही महिला का पर्स झपट्टा मारकर उड़ा लिया। महिला कुछ समझ पाती इसके पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, आरोपियों को ट्रेस कर लिया है। जानकारी अनुसार अधारताल निवासी मंजू विश्वकर्मा ने बताया कि वह पैदल जा रही थीं, तभी रास्ते में लाल रंग की बाइक में दो युवक आए, जिसमें एक नाबालिग था। करीब से तेज रफ्तार के साथ निकले और उसका पर्स छुड़ाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीव्ही फुटेज खंगालते हुए दोनों आरोपियों को ट्रेस कर लिया है। जिनसे पूछताछ के बाद ही स्थिति स्पस्ट हो सकेगी।

पुलिस ने आरोपियों को किया ट्रेस, जांच जारी

पर्स में थे करीब 500 रुपए

अधारताल थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा ने बताया कि महिला की शिकायत के बाद तत्काल कार्रवाई कर, आरोपियों को पहचान लिया गया है। महिला के पर्स में करीब 500 रुपए थे। मामले की बारीकी से पड़ताल की जा रही है।

कटंगी बायपास में महिला की संदिग्ध अवस्था में मिलने से हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

जबलपुर, यशभारत। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के कटंगी बायपास में आज सोमवार को एक महिला के संदिग्ध शव को देखकर राहगीर ठिठक गए। मामले की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम जांच में जुटी है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। वहीं, घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति है। थाना प्रभारी रीना पांडेय ने बताया कि सूचना मिली है कि कटंगी बायपास में महिला का शव देखा गया गया है। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया है, शव अज्ञात है। जिसकी पतासाजी करने आसापास के थानों और ऐरिया में पूछताछ की जा रही है। महिला की मौत कैसे हुए यह पीएम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर, पूरा मामला जांच में लिया है।

बीजाडांडी में बस को बेकाबू डम्पर चालक ने मारी टक्कर

1 युवक की दर्दनाक मौत, 3 घायल

जबलपुर, यशभारत। बीजाडांडी रोड पर देर रात बिलासपुर के दुर्ग जा रही कांकेर बस को एक बेकाबू डम्पर चालक ने सीधी टक्कर मार दी। जिससे बस रोड से उतर गयी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गयी तो वहीं करीब 3 लोग बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी डम्पर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। मनेरी प्रभारी पंकज विश्वकर्मा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि कांकेर बस दुर्ग जा रही थी। जिसमें अधारताल निर्भर नगर निवासी 20 वर्षीय दीपक साहू पिता गौकरण साहू अपने परिवार के साथ सवार था। तभी बीजाडांडी रोड पर डम्पर चालक ने बस की ड्राइवर लाइन से सीधी टक्कर मार दी और आगे बढ़ाते हुए मौके से फरार हो गया। पीड़ितों ने बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति जर्जर है। ऐसे में उन्होंने आर्थिक सहायत की मांग की है। वहीं, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यदि आप नौकरी पाना चाहते हैं

अपने कौशल के साथ दिये गये मोबाइल नंबर पर संपर्क करें
9009985689, 9131406684
योग्यता कम से कम 12 वीं पास उम्र 18 से 27 वर्ष

जनता से विकास का वादा कर कविता रैकवार ने मांगा आर्शीवाद

जबलपुर, यश भारत। भारतीय जनता पार्टी की हनुमानताल वार्ड क्रमांक 24 की पार्षद पद की प्रत्याशी कविता रैकवार ने सोमवार को अपना व्यापक जनसंपर्क किया। उन्होंने अपना जनसंपर्क हनुमानताल प्रारंभ किया। जो की तमराही चौक, उपरैनगंज, मौलाना की गली, दरहाई, कोतवाली, राकेश अग्रवाल की गली, उपरेंगंज, राजा सागर मार्ग, मन्नूलाल अस्पताल, नुन्हाई, सराफा होते हुए कोतवाली बाजार में समापन हुआ। इस दौरान भाजपा पार्षद पद की प्रत्याशी कविता रैकवार ने जनता से क्षेत्र के विकास के साथ सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने का वादा किया। इस अवसर में कविता रैकवार के साथ अभिलाषा रजक, माया रैकवार, राकेश अग्रवाल, मनीष शिवहरे, राहुल रजक, मुकेश रूसिया, विजय सरावगी, विजय यादव, नीरज भटनागर, संजय बर्मन, आनंद ताम्रकार, अजय दुबे आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कविता का वादा वार्ड का करेंगे चहुंमुखी विकास

जबलपुर, यश भारत। नगर निगम चुनावों में मतदान की तारीख नजदीक आते ही प्रत्याशियों द्वारा जनसंपर्क तेज कर दिया गया है इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 58 डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी कविता संजय अहिरवार द्वारा क्षेत्र में जनसंपर्क किया गया। सबसे पहले प्रत्याशी एवं कार्यकर्ताओं ने मंदिर में पूजा अर्चन किया एवं वार्ड के वरिष्ठजनों का आर्शीवाद जनता का सहयोग करने की बात कहीं। इसी बीच कांग्रेस प्रत्याशी कविता संजय अहिरवार द्वारा वार्ड निवासियों से मिलकर उनकी समस्याओं के निदान और क्षेत्र के विकास का आश्वासन दिया गया। जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे जिन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं से मुलाकात की और कविता संजय अहिरवार को विजयी बनाने की अपील की।

दोनों युवकों ने की जमकर मारपीट

गए थे झगड़ा सुलझाने ,पड़ गयी चाकू, मोहनिया में वारदात

जबलपुर, यशभारत। रांझी के मोहनिया में दो युवक किसी बात को लेकर एकदूसरे के साथ जमकर गालीगलौच कर रहे थे। लेकिन पीड़ित को लड़ाई सुलझाना उस वक्त भारी पड़ गया जब दोनों ही आरोपियों ने पीड़ित के साथ जमकर मारपीट करते हुए चाकू से वार कर, बुरी तरह जख्मी कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि निक्की उर्फ ऋषि कश्यप 25 वर्ष निवासी मोहनिया ने पुलिस को बताया कि वह खाना खाकर रोड में टहलने जा रहा था जैसे ही शिव पटैल के बाड़े के पास पहुंचा ,पड़ोसी गौरव ठाकुर के साथ बंटी वशंकार एवं निच्चू वंशकार मारपीट कर रहे थे। निच्चू चाकू से हमला कर रहा था तभी वह बीच बचाव करने लगा, तो दोनों उसके साथ गाली गलौज करने लगे। वंटी वंशकार ने हाथ मुक्कों से मारपीट कर उसे पकड़ लिया तथा निच्चू ने चाकू से हमलाकर बुरी तरह घायल कर दिया। वहां उपस्थित लोगों ने बीच बचाव किया तो दोनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये।

महाकोशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घण्टे

Life Care ICU मुखर्जी हॉस्पिटल

हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम एवं सुविधाएं:-

डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ तरुन नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ एम. चंसौरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरो सर्जन)
डॉ पुनीत भल्ला (एम.डी. कार्डियोलॉजिस्ट)
डॉ अखिलेश पटेल
डॉ नेहा चंसौरिया B.D.S. M.D.S

covid-19 संबंधित हर इलाज, सांस फूलना, फेफड़ों की बीमारी, महाकौशल का सबसे आधुनिक वेंटिलेटर उपलब्ध, हड्डी की चोट, सर की चोट, हेड इंन्यूरी, जहरीली वस्तु का सेवन, (POISON-UNIT) बर्न यूनिट, डायलिसिस सुविधा, उच्च स्तरीय ट्रेन्ड नर्सिंग-पैरा मेडिकल स्टाफ, भर्ती मरीजों के लिए डायटिशियन द्वारा बताया गया भोजन, नि:शुल्क उपलब्ध।

पता:- 1933,प्रेम मंदिर के पास राइट टाऊन, जबलपुर, संपर्क सूत्र:-7049079825, 9300920067
हॉस्पिटल फोन:- 0761-4038666, जबलपुर का प्रथम CRITICAL CARE हॉस्पिटल (E-mail:- lifecareicujbp@gmail.com)

मॉं शक्ति

एकवा आरो सिस्टम

सभी प्रकार के आरो सैल्स एवं सर्विस के लिए सम्पर्क करें :
मो.- 9074629210
अब अपने RO की सर्विसिंग कराएं वो भी बिल्कुल फ्री

पता- शंकर नगर करमेता, जबलपुर

R.O. WATER बर्फ से निर्मित

आईस बर्फ गोला

नीबू सोडा, शिकंजी, मसाला छाछ, लस्सी, आईसक्रीम, कोल्ड काफी, मिल्क शेक

सांची कूल जोंन

एकता चौक विजय नगर,मो. 7974758785

त्रिभुवनदास मालपाणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मिलौनीगंज, जबलपुर

Nursery to Class XII (English & Hindi Medium)

विद्यालय की विशेषताएं

- छात्र/छात्राओं के अध्ययन के लिए प्रोजेक्टर प्रत्येक कक्षा में, अनुभवी शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य।
- छात्र/छात्राओं के लिये भौतिक/रसायन/जीव विज्ञान/आईपी कम्प्यूटर प्रयोग शाला, अटल टिंकरिंग लैब।
- छात्र/छात्राओं के लिये कक्षाओं की सुविधा
- विद्यालय द्वारा नेशनल स्तर तक जूडो के खिलाड़ी ने स्वर्ण प्राप्त किये।
- बोर्ड कक्षाओं का शत- प्रतिशत परीक्षाफल।
- खेलकूद में छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति सुविधा 10000/-, 8000/-6000/- प्रतिवर्ष
- अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों हेतु शासन द्वारा छात्रवृत्ति सुविधा।

प्रवेश प्रारंभ 2022-23

प्रात:पाली: 7.30 से 12.00 पहली से 12वीं अंग्रेजी माध्यम

दोपहर पाली: 12.20 से 5.10 6वीं से 12वीं हिन्दी माध्यम

संपर्क 9009505955,0761-4016415

संपादकीय

ब्रिक्स और जी-7

ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) समूह के 14वें शिखर सम्मेलन के मंच से मेजबान चीन और रूस ने यह संदेश देने में कोई कोताही नहीं बरती कि वे इस मंच को अमेरिकी नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था के विकल्प के रूप में तैयार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कुछ देशों की 'ब्लॉक' और 'सर्किल' मानसिकता की आलोचना की और इसे विश्व शांति के लिए खतरा बताया। चीन की कूटनीतिक भाषा में इन शब्दों का इस्तेमाल अक्सर क्वाड्रैंगुल सिक्युरिटी डायलॉग (क्वैड) के लिए होता है। इस पर प्रधानमंत्री मोदी की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इसके विपरीत उन्होंने दुनिया भर में योग दिवस को सफल बनाने के लिए उपस्थित देशों को धन्यवाद दिया। साथ ही कोरोना महामारी से संघर्ष और महामारी के बाद विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में ब्रिक्स की भूमिका की चर्चा की। अगले दिन आयोजित विश्व विकास संवाद के दौरान उन्होंने जरूर मुक्त समुद्री नौवहन पर जोर दिया, जिसे चीन की आलोचना के रूप में देखा जा सकता है। बहरहाल, सार यह है कि भारतीय प्रधानमंत्री एक आयोजन में शामिल हुए, जहां अमेरिकी वर्चस्व वाली विश्व व्यवस्था को चुनौती देने पर खुल कर चर्चा हुई। अब उसके बाद प्रधानमंत्री का अगला ठिकाना जर्मनी में आयोजित जी-7 की बैठक है। स्वाभाविक है कि इस बैठक का मुख्य जोर रूस को अलग-थलग करने और चीन की बढ़ती शक्ति को नियंत्रित करने पर रहेगा। यानी यह स्पष्ट है कि अब जी-7 और ब्रिक्स एक दूसरे के विपरीत उद्देश्य के लिए काम कर रहे हैं। भारत ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य है, जबकि जी-7 के देश उसे अपनी रणनीति में एक महत्त्वपूर्ण जगह देते हैं। मगर प्रश्न है कि क्या एक साथ कोई देश विपरीत उद्देश्यों के लिए योगदान दे सकता है? अगर भारत ऐसे मौके पर एक स्वतंत्र विश्व दृष्टि प्रस्तुत करता नजर आता और दो गुटों के टकराव के बीच एक अलग दिशा का नेतृत्व करता, तो बात और होती। लेकिन फिलहाल, ऐसा लगता है कि भारत श्रोता की भूमिका में है। इस रूप में उसे ऐसी बातें भी सुननी पड़ रही हैं, जिन्हें खुद उसकी आलोचना समझा जाएगा।

तेल का खेल है

यूक्रेन युद्ध को लेकर पश्चिमी देशों की रणनीति अगर कारगर नहीं हुई है, तो उसका बड़ा कारण रूस के पास मौजूद तेल की ताकत है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने उम्मीद की थी कि रूस पर उनके प्रतिबंध लगाने के बाद रूस के लिए तेल बेचना मुश्किल हो जाएगा। इससे उसकी अर्थव्यवस्था ढह जाएगी। लेकिन कई देशों ने इसे अपने लिए सस्ता तेल पाने का एक मौका बना लिया। उनमें प्रमुख चीन और भारत हैं। नतीजा यह हुआ कि जहां तेल और प्राकृतिक गैस की महंगाई से अमेरिका और यूरोप में हाहाकार मचा हुआ है, वहीं भारत और चीन अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। इससे रूस को सहारा मिला। रूसी अर्थव्यवस्था उस तरह नहीं ढही, जिसकी उम्मीद पश्चिमी देशों ने की थी। उलटे डॉलर की तुलना में रूस की मुद्रा की कीमत रुबल आज सात साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मई में चीन ने रूस से अपना तेल आयात और बढ़ा दिया। अब वह रूस का सबसे बड़ा तेल आयातक बन गया है। उधर सऊदी अरब को पीछे छोड़ते हुए रूस चीन का सबसे बड़ा तेल निर्यातक बन गया है। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पिछले महीने उसने रूस से 84.2 लाख टन तेल आयात किया। फरवरी 2021 की तुलना में यह 55 प्रतिशत ज्यादा है। मई में चीन ने सऊदी अरब से 78.2 लाख टन तेल खरीदा था। 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। जिन देशों ने इस कार्रवाई के लिए रूस की आलोचना नहीं की है, उनमें भारत के अलावा चीन का भी नाम है। चीन ने संयुक्त राष्ट्र में कई प्रस्तावों पर रूस का साथ भी दिया है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की स्थिति में उसके उत्पाद खरीद कर चीन ने रूस की आर्थिक मदद भी की है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की तेल के बारे में ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीनों में भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले में जर्मनी को पीछे छोड़ दिया है और वह उसका दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया है।

द्रौपदी मुर्मू : सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता

हमारे संविधान के तीन आधारभूत सिद्धांत हैं, न्याय, समता और असंचय ! बावजूद इन 75 सालों में हम इन मूलभूत सिद्धांतों पर पूरी तरह खरे नहीं उतरे हैं। अतएव असमानता और वैध-अवैध धन संग्रह की प्रवृत्ति के चलते आर्थिक विशमता की खाई भी चौड़ी होती जा रही है। आधुनिक व औद्योगिक विकास और षहरीकरण ने इन विसंगतियों को निरंतर बढ़ाने का काम किया है। पूंजीवादी इस विकास का यदि सबसे ज्यादा नुकसान किसी जाति समुदाय ने उठाया है तो वह अनुसूचित-जनजाति के दायरे में आने वाले समूचे देश में फैला आदिवासी समुदाय है।

इस कथित विकास के नाम पर चार करोड़ आदिवासी विस्थापन का दंष झेल रहे हैं। ऐसे में यह सुखद व तसल्ली देने वाला संयोग है कि स्वतंत्रता के इस अमृत महोत्सव में देष के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहली बार एक ठेठ देशज वनवासी महिला द्रोपदी मुर्मू को सत्तारुढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बिठाने की तैयारी लगभग पूरी कर ली है। निर्वाचन प्रक्रिया की औपचारिक पूर्तिभर होनी है। यदि कोई अनहोनी पेष नहीं आती है तो उनका राष्ट्रपति चुना जाना सुनिष्चित है, क्योंकि इस उम्मीदवारी के राजनीतिक निहितार्थ जो भी हों, अंततः देश में सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश गया है। इस संदेश को आत्मसात करते हुए कई राजग विरोधी दल और सांसद आत्मा की आवाज पर भी द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान करेंगे।

द्रोपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से सामाजिक समरसता का वातावरण तो निर्मित होगा ही, देश के प्रथम नागरिक के रूप में आदिवासी चेहरा भी सामने आएगा। इस बार के चुनाव की यही बड़ी विलक्षण्ता होगी। देष में करीब 13 करो? विभिन्न आदिवासी समुदाय हैं, जिनकी अपनी विषिश्ट सांस्कृतिक पहचान है। इसीलिए आजादी के वक्त से ही भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रत्येक गणतंत्र दिवस पर इस समुदाय के जीवन षैलियों का प्रदर्षन दिल्ली के इंडिया गेट पर किया जाता है। क्योंकि भारत के इन्हीं मूल निवासियों के पास सांस्कृतिक विविधता और ज्ञान परंपराओं के वे मूल मंत्र हैं, जो भारत को सनातन वैदिक परंपराओं से जोड़ते हैं। सनातन हिंदुत्व में समहित व समादृत मंत्रों की द्रोपदी मुर्मू एक निश्ठावान अनुयायी हैं। इसलिए उनका राश्ट्रपति बनना हाशिए के समाज को उत्थान और राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ना तो होगा ही, उन पश्चिमी व वामपंथी ताकतों को भी झटका लगेगा, जो इस समुदाय को हिंदू और हिंदुत्व से काटने की कुटिल चालें पिछली शताब्दी से ही चल रहे हैं।

राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी घोशित किए जाने के बाद उनके जो चित्र और चलचित्र सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि वे सनातन संस्कृति में अपनी संपूर्ण निष्ठा रखती हैं। इसलिए वे भारतीय पारंपरिक वेशभूशा में अपने गांव ऊपरबेड़ा में स्थित भगवान शिव के मंदिर में झाडू से सफाई करते और शिव के द्वारपाल नंदी के कान में मनौती मांगती देखी गईं। वरना एक समय ऐसा भी रहा है, जब देश के सर्वोच्च प्रतिनिधि धर्मनिरपेक्षता के कथित भय से अपनी धार्मिक भावनाओं व पूजा-पाठ की दिनचर्या को छिपाने में अपनी भलाई मानते थे। किंतु द्रोपदी मुर्मू की यह निर्मल, निश्चल व निर्लिप्त आस्था ही है, जिसने पति और दो पुत्रों के असमय निधन के बाद भी उन्हें जीवन के प्रति आख्यावान बनाए रखा। संभवतः अनुष्ठान का यही विधि-विधान उन्हें ऐसी स्वस्फूर्त संजीवनी देता रहा, जिसने उनकी जिज्ञासा और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाने को उत्साहित व प्रेरित किया।

जिस विधवा को समाज, विकृत परंपराओं के चलते समाज की मांगलिक भागीदारियों से वंचित कर देता है, उन वर्जनाओं को द्रोपदी मुर्मू ने रानी लक्ष्मीबाई और इंदिरा गांधी की तरह नकारा और विपरीत सामाजिक परिस्थितियों में कुरीतियों व कुप्रथाओं से जूझते हुए सामाजिक व राजनीतिक परिदृष्य बदलने में अपनी अहम् भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने ऊपर बेड़ा गांव में रहते हुए ही शालेय शिक्षा और फिर भुवनेश्वर के रमादेवी महाविद्यालय से कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की। सरकारी शिक्षिका बन गईं। लेकिन जिसे सामाजिक चुनौतियों से संघर्षरत रहते हुए कुछ क्रांतिकारी बदलाव करना था, वह मामूली शिक्षक रहते हुए परिवर्तन का वाहक कैसे बनता

? गोया, उन्होंने नौकरी छोड़ दी और राजनीति में पदार्पण कर इस व्यापक क्षेत्र की पहली सीढ़ी पार्षद के पद पर निर्वाचित हुईं। हालांकि उन्हें राजनीति की शिक्षा अपने परिवार से ही मिली थी, उनके पिता और दादा भी गांव के प्रधान रहे थे। इसके बाद इस मेधावी महिला ने पलटकर नहीं देखा। वे रायरंगपुर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर पहली बार 2000 में विधायक चुनी गईं और फिर 2004 में भी दोबारा चुनी गईं। मुर्मू बीजू जनता दल और भाजपा की गठबंधन सरकार में वाणिज्य एवं परिवहन तथा मत्स्य पालन एवं पशु संसाधन विकास मंत्री भी रहीं। 2015 से 2021 के दौरान भारत की पहली झारखंड राज्य की आदिवासी महिला राजपाल बनने का गौरव भी उन्हें प्राप्त है। जाहिर है, राजनीति के पहले पायदान पार्षद पद से शुरू हुआ उनका सियासी सफर विभिन्न सोपानों पर चढ़ते हुए राष्ट्रपति भवन के द्वार तक पहुंच गया है।

उनकी यह यात्रा सामाजिक समरसता का आधार तो बनेगी ही, लोकतंत्र की जड़ें भी मजबूत करेगी। क्योंकि उन्हें एक मुखर सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। अतएव जो लोग उन्हें जनजाति समुदाय के एक प्रतीकात्मत प्रतिनिधि के रूप में देख रहे हैं, वे भूले हुए हैं कि अंततः वे संघ और भाजपा के उस अजेंडे को कारगर रूप देने में प्रयत्नशील दिखाई देंगी, जिससे आदिवासियों के सामुदायिक व धार्मिक हितों की तो प्रतिपूर्ति हो ही, आदिवासियों को जनगणना पत्रक में जो अलग धर्म-समुदाय चिन्हित करने के लिए खाना निर्धारित करने की मांग उठ रही है, उस मांग पर भी अंकुश लगेगा। झारखंड के आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक आभासी परिचर्चा में कहा था कि 'भारत के आदिवासी हिंदू नहीं हैं। वे पहले भी कभी न कभी हिंदू थे और न कभी हिंदू होंगे।' उन्होंने यह बात अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक वेबीनार में कही थी। झारखंड में 32 आदिवासी प्रजातियां हैं, जो अपनी भाषा, संस्कृति और रीति-रिवाजों को अस्तित्व में बनाए रखने के लिए ईसाई मिशनरियों से संघर्षरत हैं। वैसे तो इस बयान को मिशनरियों की कुटिल चाल बताते हुए विश्व हिंदू परिषद् के महासचिव मिलिंद परांडे ने आपत्ति जताई थी, अलबत्ता यह वेबीनार एक पश्चिमी विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित थी और हम जानते हैं कि पश्चिमी शिक्षा पर न केवल मिशनरियों का प्रभाव है, बल्कि वे अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें नियंत्रित भी करती हैं। चूंकि झारखंड और ओडिसा की चर्चों द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य के बहाने सबसे ज्यादा आदिवासियों का धर्मांतरण किया जा रहा है, इसलिए स्वाभाविक है, अपनी सनातन विरासत से जुड़ी महिला को धर्मांतरण बेचैन तो करता ही होगा ? संविधान में किसी भी प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण अवैध है।

संघ एवं भाजपा का लक्ष्य उन कानूनी लोचों को खत्म करना भी है, जिनके बूते आदिवासियों का धर्मांतरण आसान बना हुआ है। लोकसभा के पिछले सत्र में भाजपा के दो सांसद झारखंड के निशिकांत दुबे और मध्यप्रदेश के ढालसिंह बिसेन ने धर्मांतरण के इस मुद्दे को उठाते हुए मांग की थी कि 'दूसरा धर्म अपनाने वाले लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। क्योंकि अनुसूचित जातियों और जनजातियों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन का चलन लगातार बढ़ रहा है।' दरअसल संविधान के अनुच्छेद-342 और 341 में धर्म परिवर्तन से जुड़े प्रावधानों में लोच है। 341 में स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति (एसटी) के लोग धर्म परिवर्तन करेंगे तो उनका आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इस कारण यह वर्ग धर्मांतरण से बचा हुआ है। जबकि 342 के अंतर्गत संविधान निर्माताओं ने जनजातियों के आदि मत और पुरखों की पारंपरिक सांस्कृतिक आस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था की थी कि अनुसूचित जनजातियों को राज्यवार अधिसूचित किया जाएगा। यह आदेश राष्ट्रपति द्वारा राज्य की अनुशंसा पर दिया जाता है। इस आदेश के लागू होने पर उल्लेखित अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान सम्मत आरक्षण के अधिकार प्राप्त होते हैं। इस आदेश के लागू होने के उपरांत भी इसमें संशोधन का अधिकार संसद को प्राप्त है। इसी परिप्रेक्ष्य में 1956 में एक संशोधन विधेयक द्वारा अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध के लिए प्रावधान किया गया था कि यदि इस जाति का कोई व्यक्ति ईसाई या मुस्लिम धर्म स्वीकार्यता है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। किंतु यह विधेयक अब तक पारित नहीं हो पाया है। अनुच्छेद 341 के अनुसार अनुसूचित जातियों के वही लोग आरक्षण के दायरे में हैं, जो भारतीय धर्म हिंदु, बौद्ध और सिख अपनाने वाले हैं। गोया, अनुच्छेद-342 में 341 जैसे प्रावधान हो जाते हैं, तो अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण की समस्या पर स्वाभाविक रूप से अंकुष लग जाएगा। द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के बाद ऐसे झोलों को खत्म करने की संभावना बढ़ जाएगी ?

हालांकि आपातकाल के दौरान किए गए 44वें संविधान संशोधन के द्वारा राष्ट्रपति के अधिकारों में कुछ कटौतियां की गई हैं। मंत्रिमंडल के सुझाव व प्रस्ताव पर राष्ट्रपति की स्वीकृति को बाध्यकारी बना दिया गया है। अतएव तय है आदिवासियों के हितों से संबंधित जो भी प्रस्ताव राष्ट्रपति के समक्ष आएगा, उन पर गंभीरतापूर्वक विचार होगा। उन्हें लौटने का संशय कम रहेगा। इसीलिए कहा जा रहा है कि मुर्मू की उम्मीदवारी और फिर राष्ट्रपति बनने के उपरांत भाजपा अपने राजनीतिक लक्ष्य साधने का काम करेगी। लेकिन भाजपा के यह लक्ष्य ऐसे हैं, जो राष्ट्र की संप्रभुता, अखंडता और हिंदुत्व की एकरूपता से जुड़े हैं। यही नहीं द्रोपदी मुर्मू का चयन लोकतांत्रिक भारतीय संविधान के उन सिद्धांतों को भी आकार देने वाला है, जिसके बूते अपनी योग्यता, प्रतिभा व कौशल दक्षता के बूते साधारण व्यक्ति भी देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने का अधिकारी बन जाता है। रामनाथ कोविंद, लालबहादुर शास्त्री और चाय बेचने वाले नरेंद्र मोदी प्रजातंत्र की इसी महिमा के उत्कृष्ट उदाहण हैं। यही वजह है कि द्रोपदी मुर्मू को राजनीतिक दलों के समर्थन की संख्या बढ़ती जा रही है।

-प्रमोद भार्गव

आपका राशिफल 28 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

फिल्म वर्ग पहेली- 5853

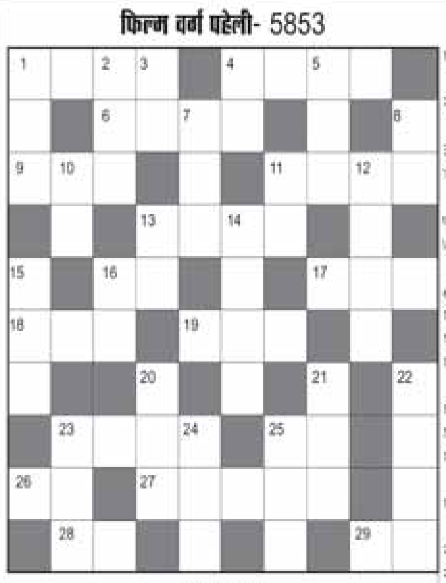

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरुख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरुद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जाते जाते नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. शाहरुख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की "दिल का तोहफा लाई हूँ" गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावालों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलाई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं औचत हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों में दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. "दिल गम से" गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की "ओ भंवरे देखो हम दीवानों को" गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5852

Jagrutidaur.com, Bangalore

दही खाना बारिश में कितना सही

बारिश के मौसम में खाने-पीने को लेकर लोग अलर्ट रहते हैं। घर-परिवार में भी कहा जाता है कि मौसम बदल रहा है इसलिए ये चीजें न खाएं या अमुक चीजें ही खाएं। दरअसल, यह भारतीय परंपरा में ही है कि अलग-अलग सीजन के लिए डाइट भी उसके अनुरूप हो। मानसून के दौरान जिन खानों पर बंदिश है उनमें दही भी है।

आमतौर पर यह धारणा है कि बरसात के मौसम में दही नहीं खाना चाहिए क्योंकि इससे हमारी सेहत बिगडती है। इससे जुडे मिथ कितने सही हैं इस पर डाक्टर्स कहते हैं कि दही ठंडी होती है। बरसात के मौसम में मॉश्चर अधिक होता है। ऐसे में दही खाने से कफ बनता है। इसलिए पारंपरिक रूप से दही खाने से परहेज किया जाता है।

लेकिन साइंटिफिक रूप से दही किसी भी सीजन में खाया जा सकता है। हालांकि इसकी मात्रा सीजन के हिसाब से हो सकती है। या जिन्हें ठंड से एलर्जी है वो दही खाने से परहेज कर सकते हैं। सामान्य रूप से दही पोषक तत्वों से भरपूर है। यह लो कैलोरी वाला खाद्य पदार्थ है जिसमें विटामिन, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में मिलता है।

दही में अच्छे बैक्टीरिया यानी प्रोबायोटिक्स होते हैं जो हमारे गट को मजबूत बनाता है। इससे पाचन तंत्र बेहतर होता है। पेट में गैस कम करने, डायरिया से बचाने, ब्लोटिंग कम करने में मदद करता है। इसलिए बरसात के मौसम में भी लंच से पहले एक कप दही जरूर खायी जा सकती है।एक मिथ यह भी है कि रात में दही नहीं खाना चाहिए। मेडिकल साइंस भी इसकी पुष्टि करता है। चूंकि दही में पानी की मात्रा अधिक होती है इसलिए रात की जगह दिन में ही इसे खाना चाहिए। सीधे दही खाने की जगह रायता के रूप में खाया जा सकता है।आयुर्वेद में बरसात के मौसम में दही खाने को वर्जित बताया गया है। आयुर्वेदाचार्य बताते हैं कि इसे मिथ कहना सही नहीं हैं। बरसात के शुरुआती दौर में दही खाई जाती है। जैसे सावन में दही की थोडी मात्रा ली जाती है लेकिन भादो मास में दही पूरी तरह वर्जित होती है। केवल दही ही नहीं, दही से बनी छाछ का भी उपयोग नहीं करना चाहिए। चूंकि बरसात में दही खाने से वात और पित्त बढ़ता है। इसलिए हमारी सेहत को यह सूट नहीं करता।

सूडोकु नवताल- 6369

* * * * * कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6368 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

विचार प्रवाह

अपने कर्म पर विश्वास रखिए, राशियों पर नहीं। क्योंकि राशि तो राम और रावण, महावीर और मारीच, गांधी और गोड़से, ओबामा और ओसामा की भी एक ही थी पर उनके कर्म अलग-अलग थे। धर्म से कर्म ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। क्योंकि धर्म करके तो भगवान् से मांगना पड़ता है जबकि कर्म करने से भगवान् को खुद देना पड़ता है। सौ बात की एक बात यह है कि इंसान सिर्फ कर्म करते चलें।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7409

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रेजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -7408 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

जिले में 16 स्कूलों को मिला स्वच्छ विद्यालय का पुरस्कार

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 के प्रथम चरण में जिले के 100 से अधिक विद्यालय हुए शामिल।

भोपाल (यश भारत)। कोविड काल में स्कूलों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार शुरू किया गया। शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर मप्र स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021-22 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को लेकर निजी और सरकारी स्कूलों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें विद्यालय में कोविड से बचने के लिए स्वच्छता पर कितना ध्यान केन्द्रित किया गया, इसके लिए क्या-क्या कदम उठाए गए, इसका निरीक्षण किया गया। इस पुरस्कार का उद्देश्य स्कूलों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। इस पुरस्कार में स्कूलों को आनलाइन आवेदन करना था। जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में सर्वेक्षण समिति ने स्कूलों का निरीक्षण किया। इसके बाद पुरस्कार के लिए नाम घोषित किए गए। भोपाल जिले के 100 से अधिक सरकारी व निजी स्कूलों ने आवेदन किया था। इनमें से राजधानी के 16 निजी व सरकारी स्कूलों का चयन किया गया है। इसमें सात सरकारी और नौ निजी स्कूल शामिल हैं। इसमें पहले स्थान पर तुलसी नगर स्थित शासकीय कन्या उमावि, दूसरे स्थान पर शासकीय प्राथमिक स्कूल सूरज नगर और तीसरे स्थान पर शासकीय माध्यमिक शाला कोकता आया है।

इन स्कूलों को 29 जून को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

इस मापदंड पर हुआ चयन

स्कूलों में हरियाली, बागवानी, कक्षा से लेकर शौचालय तक की सफाई, बच्चों के व्यवहार एवं क्षमता विकास, कोविड नियंत्रण के लिए किए गए कार्य, रख-रखाव, बुनियादी ढांचा, पीने वाले पानी की आपूर्ति आदि के आधार पर चयन किया गया।

राज्यस्तरीय पुरस्कार के लिए 309 स्कूलों ने आवेदन किया जिलास्तर पर चयनित स्कूल राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन करेंगे। अभी तक 309 स्कूलों ने आवेदन किया है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर भी पुरस्कार की घोषणा की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग का फोकस चयनित स्कूलों पर है, ताकि प्रदेश के स्कूल स्वच्छ विद्यालय का पुरस्कार पा सकें।

विद्यार्थियों की बनाई गई टीम

चयनित स्कूलों ने दस विद्यार्थियों की टीम बना दी है। इसमें एक शिक्षक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विद्यार्थी अपने-अपने स्कूलों में साफ-सफाई को लेकर निगरानी करेंगे और दूसरे विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेंगे। शासकीय प्राथमिक स्कूल सूरज नगर के प्रधानाध्यापक सुभाष सक्सेना ने बताया कि हमारा प्राथमिक स्कूल है तो शिक्षकों को ही ध्यान देना पड़ता है। स्कूल में मां की बगिया, पानी की टंकी और शौचालय से लेकर क्लासरूम की सफाई पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

पुरस्कार विजेता स्कूलों को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जा रहा है। स्कूलों में स्वच्छता के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। - नितिन सक्सेना, जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल

क्रमोन्नति के बजाय समयमान वेतनमान शिक्षकों को देने पर विचार

लोक शिक्षण संचालनालय फिर से तैयार कर रहा प्रस्ताव

ढाई साल में चौथी बार प्रस्ताव संशोधित हो रहा है

भोपाल (यश भारत)। प्रदेश के करीब 80 हजार शिक्षकों को क्रमोन्नति देनी है या समयमान वेतनमान, राज्य सरकार को ढाई साल नोटशीट चलाने के बाद समझ में आया। अब लोक शिक्षण संचालनालय से समयमान वेतनमान का प्रस्ताव तैयार कर भेजने को कहा गया है। ढाई साल में चौथी बार प्रस्ताव संशोधित हो रहा है। हैरत की बात है कि इस अवधि में नोटशीट सामान्य प्रशासन एवं वित्त विभाग में कई बार गई। वर्ष 2018 में शिक्षक संवर्ग में शामिल हुए अध्यापक (अब शिक्षक) तीन साल से 80 हजार शिक्षकों को क्रमोन्त्ति देने की मांग कर रहे हैं। वर्ष 2006 में नियुक्त हुए इन शिक्षकों की वर्ष 2018 में 12 साल की सेवा पूरी हो चुकी है और वे क्रमोन्नति के लिए पात्र हो गए हैं। जब सरकार पर दबाव बना, तो संबंधित शिक्षकों को क्रमोन्नति देने की नोटशीट चल पड़ी। सरकार की तत्परता से शिक्षक भी खुश थे, पर ढाई साल से नोटशीट अनवरत चल रही है। इस बीच वह लोक शिक्षण संचालनालय से सामान्य प्रशासन, वित्त और विधि विभाग तक का सफर कई बार तय कर चुकी है। इसी मुद्दे को लेकर दिसंबर 2021, मई 2022 में शिक्षकों ने मनोकामना और ध्वज यात्रा भी निकाली। विभागीय सूत्र बताते हैं कि नोटशीट देखने के बाद हाल ही में सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा कि जब वर्ष 2006 से सभी कर्मचारियों को समयमान वेतनमान दिया जा रहा है, तो इन शिक्षकों को क्रमोन्नति देने का प्रस्ताव क्यों बनाया गया। आनन-फानन में प्रस्ताव वापस हो गया और लोक शिक्षण संचालनालय को संशोधन कर प्रस्ताव भेजने के कहा गया है। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के अध्यक्ष भरत पटेल कहते हैं कि अब फिर से मशक्कत शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को उनके हक का लाभ देने में देरी से नाराजगी बढ़ती जा रही है।

भोपाल (यश भारत)। एमपीनगर इलाके में दुबई के एक कारोबारी के दस्तावेजों का उपयोग कर कार लेने के लिए ऋण लेने का मामला सामने आया है। इस पूरी हेराफेरी में कारोबारी का रिश्तेदार शामिल था। उसने ऋण कंपनी के एक अधिकारी को

दुबई के कारोबारी के दस्तावेज का उपयोग कर रिश्तेदार ने उठाया कार लोन, गिरफ्तार

अपने साथ मिलाया और दस्तावेज पर तीन लाख 84 हजार का ऋण लेकर कार खरीद ली। जब कारोबारी को अपने नाम से ऋण लेने की जानकारी लगी तो उन्होंने कंपनी इस पूरे मामले की शिकायत की थी। तब जाकर कंपनी को धोखाधड़ी का भान हुआ। इसके बाद पुलिस में शिकायत की गई। पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। एमपीनगर थाना पुलिस के एसआइ आनंद कुमार सिंह के मुताबिक सुनील शर्मा एडवोकेट हैं और पूनावाला निंकाय प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के विधि सलाहकार हैं। उन्होंने थाने में शिकायत की थी कि दुबई में कारोबार करने वाले भरत कुमार नाम के व्यक्ति के दस्तावेज लगाकर उनकी कंपनी से ऋण लेकर धोखाधड़ी की गई है। जबकि ऋण भरत ने नहीं लेकर उनके दस्तावेज के जरिए उनके रिश्तेदार पंकज सवानी ने लिया है। पंकज एयरपोर्ट रोड पर एक निजी कंपनी के दोपहिया शोरूम में प्रबंधक है। उसने पूनावाला निंकाय प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के फील?ड अधिकारी इरशाद अली के साथ मिलकर दस्तावेजों का सत्यापन कराया और उनके नाम पर तीन लाख 84 हजार चार सौ 26 रूपये का ऋण ले लिया। इस राशि से पंकज सवानी ने कार खरीदी। बाद में जब कंपनी ने नोटिस जारी किए तो उसकी कोई तामील नहीं हुई। जब पता किया तो इस प्रकार हेराफेरी की बात सामने आई है। इस मामले में जब दुबई के कारोबारी से संपर्क किया तो उन्होंने लोन लेने से इंकार किया। बाद में कंपनी के कर्मचारी इरशाद और बाइक शोरूम के प्रबंधक पर धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज कर दोनों गिरफ्तार कर लिया गया है। भरत और पंकज करीबी रिश्तेदार हैं।

जितना आनंद फकीरी में हैं उतना अमीरी में नहीं

अयोध्या नगर पंचमुखी हनुमान व दुर्गा मंदिर प्रांगण में श्री बागेश्वर धाम सरकार के श्री भक्तमाल कथा का समापन-पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

भोपाल (यश भारत)। । भगवान से किसी ने पूछा कि आप अवतार क्यों लेते हो रावण का वध करने के लिए या कंस का भगवान ने कहा कि भक्तों का कल्याण करने लिए अवतार लेता हूं। भगवान की भक्ति में लीन रहिए, वो आपकी नैया पार लगा देंगे। बालाजी की कृपा बरसेगी। जितना आनंद फकीरी में हैं, उतना आनंद अमीरी में नहीं है। यह प्रवचन अयोध्या नगर पंचमुखी हनुमान व दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रही पांच दिवसीय श्री भक्तमाल कथा के समापन के मौके पर श्री बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को दिए। महाराज ने कहा कि साधु-संतों की संगत कभी-कभी मिलती है। मन में प्रेम की रंगत कभी-कभी चढ़ती हैं। संतों का संग करोगे तो ठाकुर जी मिलेंगे। जीवन में पुण्य का लाभ कमाएं। जितने प्रवचन सुनाए जाते हैं किसी मवेशी को नहीं सुनाए जाते, मनुष्य को ही सुनाए जाते हैं। इससे मनुष्य गलत संगतों से दूर रहे। नशे से दूर रहे। महाराज ने कहा कि हम जब बस में बैठते हैं तो ये नहीं पूछते कि ड्राइवर ठीक तरह बस चला पता है या नहीं। भरोसे में बैठ जाते हैं। इसी तरह प्रभु की बस में बैठ जाओ और भक्ति में लीन हो जाए। ड्राइवर ठीक से बस नहीं चला पाएगा तो हादसा हो जाएगा, लेकिन भगवान की बस कभी दुर्घटनाग्रस्त नहीं होगी। भोपाल के लोगों को श्रीभक्तमाल की पांच दिवसीय कथा सुनने को मिली। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा सुनीं। हमारे भी बड़े भाग्य हैं कि यहां आकर कथा सुनाने का अवसर मिला। आयोजन समिति को धन्यवाद देता हूं। श्री भक्तमाल कथा में अंतिम दिन विधायक पीसी शर्मा, रामपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग पहुंचे। कथा के आखिरी दिन भोपाल, सीहोर, विदिशा, नर्मदापुरम, रायसेन, गुना सहित अन्य शहरों से लोग आए। 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

मूल कर्मचारियों को सरकारी आवास के लिए पांच साल की वेटिंग

प्रतिनियुक्ति वालों पर नगर निगम मेहरबान

भोपाल, यशभारत। नगर निगम के मूल कर्मचारी 5-5 साल से सरकारी मकान के लिए वेटिंग में लगे हैं, लेकिन प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों को एक ही महीने में मकान आवंटित हो रहे हैं। ताजा मामला विद्युत शाखा के सहायक ग्रेड 3 कर्मचारी आशुतोष श्रीवास्तव का है। निगम ने एक महीने में ही कर्मचारी को शिवाजी नगर में सी 60 नंबर का आवास आवंटित कर दिया। इस मामले को आरटीआई एक्टिविस्ट नितिन सक्सेना ने निगम आयुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी से शिकायत की है। गौरतलब है कि इन दिनों नगर निगम में प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों का बोल-बाला है। एक विशेष बंगले की कृपा से सभी प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों को मनपसंद विभाग के अलावा मकान भी मिल रहे हैं। रिटायर्डमेंट के बाद भी वॉटर वर्क डिपार्टमेंट का पूरा जिम्मा संविदा नियुक्ति देकर प्रभार देना, फिर दो साल तक यह संविदा नियुक्त आगे बढ़ाना, विद्युत शाखा से लेकर सिविल डिपार्टमेंट प्रतिनियुक्ति अधिकारी को स्मार्ट सिटी में इंट्री देना जैसे काम हाल में हुए हैं। अब ताजा मामला मकान आवंटन को लेकर सामने आया है, जहां एक प्रतिनियुक्ति कर्मचारी को मकान का आवंटन आनन-फानन में दिया गया। मूल कर्मचारियों के लिए वेटिंग नगर निगम के मूल कर्मचारी और अधिकारी लंबे समय से आवास आवंटन की मांग कर रहे हैं। लेकिन निगम इन्हें आवास आवंटित नहीं कर रहा। करीब 5-5 साल से वेटिंग चल रही है। उल्लेखनीय है कि निगम के रोशनपुरा चौराहा स्थित बेतवा अपार्टमेंट, माता मंदिर, बरखेड़ी, पुल बोगदा फायर स्टेशन, फतेहगढ़, शिवाजी नगर, तुलसी नगर, 5 नंबर स्टॉप, बैरसिया रोड, मंगलवारा, गिन्नौरी आदि जगहों पर सरकारी मकान है। जहां निगम के मूल कर्मचारियों के अलावा प्रतिनियुक्ति वाले कर्मचारी भी रह रहे हैं। नगर निगम कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें आवास आवंटित करता है। इसमें मूल और प्रतिनियुक्ति के कर्मचरियों के लिए समान सुविधाएं हैं।

यदि आवास आवंटन में कुछ शिकायतें आ रही हैं, तो इसकी जांच कराई जाएगी। - केवीएस चोधरी कोलसानी, आयुक्त नगर निगम, भोपाल

अब उम्रभर कैद में रहेगी सुंदरी'

वन विहार लाने की तैयारी

भोपाल (यश भारत)। बाघिन सुंदरी अब अपना बाकी जीवन कैद में ही गुजारेगी। कान्हा टाइगर रिजर्व के घोरेला स्थित बाड़े में मार्च 2021 से रह रही बाघिन को अब वन विहार नेशनल पार्क भोपाल लाया जा रहा है, क्योंकि उसे खुले जंगल में नहीं छोड़ा जा सकता है और घोरेला बाड़े में उन दो शावकों को रखा जाना है, जो 17 मई को सिवनी जिले के ग्राम बेलगांव में तालाब किनारे भूखे-प्यासे बुरी हालत में मिले थे। पार्क प्रबंधन की रिपोर्ट के आधार पर वन्यप्राणी मुख्यालय बाघिन को वन विहार में स्थानांतरित (शिफ्ट) करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत है। अगले हफ्ते इसके औपचारिक आदेश जारी हो जाएंगे। सुंदरी दो साल की ही हुई थी, वह ठीक से शिकार भी नहीं कर पाती थी कि बाघ पुर्नस्थापना कार्यक्रम के तहत उसे ओडिशा के सतकोसिया टाइगर रिजर्व भेजने का निर्णय ले लिया गया। 29 जून 2018 को खुले जंगल से पकड़कर सुंदरी को भेजा गया और हफ्तेभर बाद ही कान्हा टाइगर रिजर्व से बाघ महावीर को भी भेज दिया। वे सतकोसिया में वंश बढ़ाते, इसके पहले ही नवंबर 2018 में बाघ महावीर को जहर देकर मार डाला गया और सुंदरी को चार लोगों पर हमला करने के जुर्म में नंदनकानन चिड़ियाघर के बाड़े में कैद कर दिया।

इंडियन आयल कारपोरेशन इस परियोजना के लिए 50 करोड़ रुपये देने को तैयार, पर नहीं हो पा रहा अनुबंध!

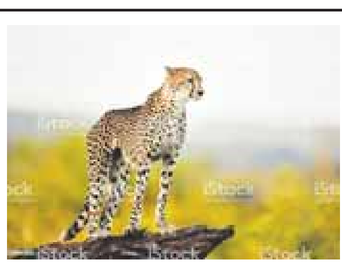

चीता परियोजना के लिए धन का संकट

भोपाल (यश भारत)। मध्य प्रदेश के कूनो पालपुर नेशनल पार्क में चीता लाए जाने की तारीख तय किए जाने के प्रयास चल रहे हैं, पर इस परियोजना के लिए जरूरी राशि का इंतजाम नहीं हो पा रहा है। इस कारण अफ्रीका से चीता को हवाई जहाज से लाने सहित परियोजना के तहत अन्य कार्यों की तैयारी में देरी हो सकती है। भारत सरकार ने अब तक राशि दी नहीं है। इंडियन आयल कारपोरेशन इस परियोजना के लिए 50 करोड़ रुपये देने को तैयार है लेकिन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन और पेटोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच अनुबंध नहीं हो पा रहा है। सूत्रों के अनुसार अनुबंध के लिए संबंधित मंत्रियों से समय न मिल पाने के कारण मामला टल रहा है। जबकि कारपोरेशन जनवरी 2022 में ही राशि देना चाहता था। वन विभाग के एक अधिकारी बताते हैं कि परियोजना भारत सरकार की है लेकिन केंद्र ने वन विभाग को अपनी राशि से काम शुरू करने को कह दिया था। राशि मिलने की प्रत्याशा में विभाग टाइगर फाउंडेशन सोसायटी मद से 10 करोड़ रुपये खर्च कर कूनो पालपुर में चीता रखने के लिए बाड़ा और घास का मैदान तैयार कर चुका है। अब विभाग के पास भी ज्यादा राशि नहीं है। ऐसे में परियोजना का पूरा दारोमदार इंडियन आयल कारपोरेशन से मिलने वाली राशि पर टिका है। क्योंकि केंद्र से राशि मिलने में अभी वक्त लगने वाला है। सबसे बड़ी राशि अफ्रीका से चीता लाने पर खर्च होने वाली है। दरअसल, कतर हवाई उड्डे से दिल्ली तक चीता हवाई जहाज से लाए जाएंगे। इसके बाद का करीब पांच सौ किमी का सफर सड़क मार्ग से तय किया जाएगा। इसके लिए राशि का इंतजाम किए बगैर कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। ऐसे में इंडियन आयल कारपोरेशन से भी राशि मिल जाए, तो समय से चीता लाए जा सकते हैं। सरकार इस कोशिश में है कि अगस्त माह के अंत तक चीता पार्क में पहुंच जाएं लेकिन विशेषज्ञ इसे जल्दबाजी बताते हैं। वे कहते हैं कि वर्षाकाल में चीता लाना और उन्हें नई जगह पर बसाना उचित नहीं होगा। चीता हमारे लिए नया वन्यप्राणी है। उसके बारे में हम बहुत ज्यादा नहीं जानते हैं। ज्ञात हो कि वर्ष 1952 में भारत से चीता विलुप्त हो गया था। सरकार की योजना दक्षिण अफ्रीका से 12 और नामीबिया से आठ चीता लाने की है।

भोपाल-बीना मेमू ट्रेन 30 जून से पुन पटरियों पर दौड़ेगी

जनशताब्दी में बढ़ेंगी दो बोगियां

ट्रैक सुधार कार्यों के चलते बीते कुछ महीनों से बंद थी ट्रेन भोपाल से दोपहर 2-20 पर रवाना होगी

भोपाल (यश भारत)। । भोपाल से बीना के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच?छी खबर है। भोपाल-बीना-भोपाल मेमू ट्रेन की सेवा 30 जून से बहाल हो जाएगी। इस ट्रेन को बीते कुछ महीने से रद किया गया था। ट्रैक सुधार कार्यों के चलते रेलवे ने यह निर्णय लिया था। 61633 भोपाल- बीना मेमू ट्रेन भोपाल स्टेशन से दोपहर 2.20 बजे चलकर, 2.52 बजे सांची, दोपहर 3.04 बजे विदिशा, दोपहर 3.25 बजे गुलाबगंज, दोपहर 3.48 बजे गंजबासौदा, शाम 4.18 बजे मंडी बामोरा और शाम पांच बजे बीना पहुंचेगी। ट्रेन 61634 बीना-भोपाल मेमू बीना स्टेशन से सुबह 11.15 बजे चलकर, सुबह 11.32 बजे मंडी बामोरा, सुबह 11.56 गंज बासौदा, दोपहर 12.12 बजे गुलाबगंज, दोपहर 12.30 बजे विदिशा, दोपहर 12.42 बजे सांची, दोपहर 13.40 बजे भोपाल स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन में दो ड्राइविंग मोटर कोच, छह ट्रेलर मोटर कोच सहित कुल आठ कोच रहेंगे।

जनशताब्दी एक्सप्रेस में 28 जून से बढ़ जाएंगी 204 सीटें

जनशताब्दी एक्सप्रेस में 28 जून से 204 सीटें बढ़ जाएंगी। ये सीटें द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान की होंगी। इसके लिए ट्रेन में दो कोच लगाए जाएंगे, जो स्थायी रूप से लगे रहेंगे। यह ट्रेन रानी कमलापति से जबलपुर के बीच चलती है। ट्रेन 12061 रानी कमलापति-जबलपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस में 28 जून से व ट्रेन 12062 जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस में 29 जून से कोच लगाए जाएंगे। दो कोच लगने के बाद यह ट्रेन 20 कोचों से चलेगी। इसमें से चार कोच वातानुकूलित कुर्सीयान श्रेणी, 14 को द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान, एक जनरेटर कार व एसएलआरडी कोच शामिल होगा।

स्टेशनों पर लगेंगे स्थानीय उत्पादों के स्टाल

भोपाल, बीना समेत सभी स्टेशनों पर आने वाले दिनों में रेल यात्री स्थानीय उत्पाद खरीद सकेंगे। इन उत्पादों की स्टेशनों पर प्रदर्शनी व स्टाल लगाए जाएंगे। स्टाल व प्रदर्शनी लगाने के लिए पांच दिन के भीतर आवेदन करना होगा। ये आवेदन नजदीक के स्टेशन प्रबंधकों के पास प्रस्तुत करने होंगे। भोपाल रेल मंडल ने अपने सभी स्टेशनों पर प्रदर्शन व स्टाल लगाने के लिए आवेदन बुलाए हैं। बेचे जाने वाले उत्पाद स्थानीय होने चाहिए। रेलवे ने स्थानीय कामगारों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए यह निर्णय लिया है।

Emotional

मोटर सुधारते समय नाबालिग कुएं में गिरा, बचाने के लिए मां ने लगा दी छलांग

भोपाल, यशभारत । राजधानी के रातीबड़ इलाके के ग्राम छापरी में शनिवार को कुएं के पास पानी की मोटर की मरम्मत करते समय 17 साल का अर्जुन राय पैर फिसलने से कुएं में गिर गया। बेटे को बचाने के लिए मां दुर्गा राय ने भी कुएं में छलांग लगा दी। पास ही महिला की देवरानी भी खड़ी थी। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग जमा हो गए। ग्रामीणों की मदद से मां-बेटे को कुएं से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है, वहीं मां को भी चोटें आई हैं। रातीबड़ पुलिस के मुताबिक ग्राम छापरी निवासी 40 वर्षीय दुर्गा राय और उनकी देवरानी सविता कौशल शनिवार को मतदान करके आ रहीं थीं। रास्ते में सार्वजनिक कुएं में उनकी पानी की मोटर लगी हुई थी, उसमें गड़बड़ी के कारण पानी नहीं आ रहा था। दुर्गा पाइप को पकड़कर ठीक करने की कोशिश कर रही थीं, तभी उनका 17 वर्षीय बेटा अर्जुन राय आया और मोटर ठीक करने लगा। जैसे ही उसने मोटर का पाइप पकड़ा, वैसे ही उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गया। बेटे को कुएं में गिरता देख उसे बचाने के लिए मां दुर्गा ने भी छलांग लगा दी। मां-बेटे को कुएं में गिरता देख सविता ने शोर मचाया तो गांव वाले इकट्ठा हो गए। तुरंत उन्होंने कुएं में खटिया डालकर मां-बेटे को बाहर निकाला। बेटे अर्जुन की हालत गंभीर बनी हुई है।

बसपा और निर्दलीय विधायक को बर्खास्त करने की मांग

राज्यपाल के समक्ष लगाई याचिका

भोपाल (यश भारत)। राष्ट्रपति चुनाव से पहले तीन विधायकों द्वारा भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के मामले में पूर्व विधायक किशोर समरीते ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मप्र विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के समक्ष याचिका लगाकर बहुजन समाज पार्टी के विधायक संजीव सिंह कुशवाह और निर्दलीय विधायक विक्रम सिंह राणा को दलबदल कानून के तहत बर्खास्त करने की मांग की है। समरीते ने साक्ष्य के तौर पर भाजपा कार्यालय में विधायकों की मौजूदगी वाली पत्रकारवार्ता की सीडी पेश की है। अपनी याचिका में उन्होंने निर्दलीय विधायक दिलीप भटेरे की बर्खास्तगी का हवाला देते हुए कहा कि दोनों विधायक विधानसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य हो गए हैं इसलिए इन्हें बर्खास्त किया जाए। भिंड से बसपा विधायक संजीव सिंह कुशवाह, बिजावर से सपा विधायक राजेश शुक्ला और सुसनेर से निर्दलीय विधायक विक्रम सिंह राणा 14 जून को भाजपा में शामिल तो हो गए लेकिन इनमें से कुशवाह और राणा की विधानसभा सदस्यता खतरे में पड़ सकती हैं। समरीते की याचिका के बाद दोनों दल-बदल कानून के दायरे में आ सकते हैं। प्रदेश में पूर्व 1990-91 में एक निर्दलीय विधायक दिलीप भटेरे की सदस्यता ऐसे ही मामले

में खत्म की गई थी। प्रदेश में बसपा के दो विधायक हैं। इसमें एक पथरिया से रामबाई गोविंद सिंह हैं। दो तिहाई सदस्य यदि किसी दल की सदस्यता लेते हैं तो वे दलबदल के दायरे में नहीं आते हैं। इस हिसाब से संजीव सिंह कुशवाह पर दलबदल के तहत याचिका पर कानूनन जांच करानी होगी। क्या है प्रक्रिया- मध्य प्रदेश विधानसभा सदस्य (दल परिवर्तन के आधार पर निरर्हता) नियम 1986 के तहत विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष दलबदल के संबंध में आवेदन पर कार्यवाही की जाएगी। राजनीतिक दल के सदस्य द्वारा दल परिवर्तन करने पर उसके द्वारा जब सदस्यता पर्ची या अन्य प्रमाण प्रस्तुत किए जाते हैं तो अध्यक्ष द्वारा सुनवाई का पर्याप्त अवसर देकर निर्णय लिया जाता है। हालांकि विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव भगवानदेव ईसरानी का कहना है कि दलबदल के मामलों को रोकने के लिए ही नियम विधानसभा से पारित हुए हैं। ऐसे मामलों में विधानसभा स्वयं संज्ञान नहीं ले सकती है। लेकिन विधानसभा का सदस्य ही शिकायत के साथ प्रमाण स्वरूप दस्तावेज प्रस्तुत करे तो अध्यक्ष द्वारा परीक्षण कराया जाता है और फिर निर्णय होता है। ईसरानी के मुताबिक निर्हरता नियम 1986 का नियम 6 (2) में यह स्पष्ट है कि दलबदल मामले में वही अर्जी मान्य होगी, जो विधानसभा सदस्य द्वारा दी गई हो।

जबलपुर से होकर गुजरने वाली रानी कमलापति से कामाख्या एक्सप्रेस अब 28 जुलाई तक चलेगी

***जबलपुर,यशभारत।** रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने के लिए गाड़ी संख्या 01663/01664 रानी कमलापति-कामाख्या-रानी कमलापति साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के संचालन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति से कामाख्या एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन की अवधि को 30 जून से बढ़ाते हुए 28 जुलाई तक तथा वापसी में गाड़ी संख्या 01664 कामाख्या से रानी कमलापति एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन की अवधि को 02 जुलाई से बढ़ाते हुए 30 जुलाई तक अपने निर्धारित दिन, समय-सारणी और कोच कंपोजीशन के अनुसार चलती रहेगी। इस स्पेशल ट्रेन की पमरे में ठहराव की जानकारी निम्न है।*

गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति से कामाख्या साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 28 जुलाई तक प्रति गुरुवार को रानी कमलापति स्टेशन से 15:30 बजे प्रस्थान कर होशंगाबाद 16:28 बजे, इटारसी 17:05 बजे, पिपारिया 18:13 बजे, गाडरवाड़ा 19:13 बजे, नरसिंहपुर 19:43 बजे, जबलपुर 21:15 बजे, कटनी 22:50 बजे, मैहर 23:46 बजे पहुंचकर अगले दिन सतना 00:05 बजे और तीसरे दिन 04:30 बजे कामाख्या स्टेशन पहुँचेगी।

इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 01664 कामाख्या से रानी कमलापति साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 30 जुलाई तक प्रति शनिवार को कामाख्या स्टेशन से 07:35 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सतना 08:05 बजे, मैहर 08:35 बजे, कटनी 09:20 बजे, जबलपुर 10:40 बजे, नरसिंहपुर 11:58 बजे, गाडरवाड़ा 12:30 बजे, पिपरिया 13:05 बजे, इटारसी 14.40 बजे, होशंगाबाद 15.08 बजे और 16.35 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुँचेगी।

गाड़ी के हाल्ट- यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं में होशंगाबाद, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना,मानिकपुर, छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नौगचिया, कटिहार, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूच बिहार, न्यू बोंगाईगांव एवं रंगिया स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच कंपोजीशन- इस गाड़ी में 01 प्रथम सह द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी, 01 द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी, 03 तृतीय वातानुकूलित श्रेणी, 10 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी, 01जनरेटर कार, 01 एसएलआरडी सहित कुल 21 कोच रहेंगे।

नैनपुर, बालाघाट व गोंदिया के लिए ट्रेन फिर शुरू

जबलपुर-चांदाफोर्ट-जबलपुर त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन की सेवा हुई बहाल

जबलपुर,यशभारत। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 22174/22173 जबलपुर-चांदाफोर्ट-जबलपुर त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन की सेवा 30 जून से आगामी सूचना तक के लिये पुनः बहाल की जा रही है। गाड़ी संख्या 22174 जबलपुर से चांदाफोर्ट प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार एवं शुक्रवार त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन 30 जून से अपने प्रारम्भिक स्टेशन जबलपुर से 05:45 बजे प्रस्थान कर मदनमहल 05:53 बजे, नैनपुर 08:10 बजे, बालाघाट 09:35 बजे, गोंदिया 10:15 बजे पहुँचकर 13:45 बजे चांदाफोर्ट स्टेशन पहुँचेगी।

इसी प्रकार वापसी में गाड्ी संख्या 22173 चांदाफोर्ट से जबलपुर प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार एवं शुक्रवार त्रि-साप्ताहिक सुपरफास्ट ट्रेन 30 जून से अपने प्रारम्भिक स्टेशन चांदाफोर्ट से 14:50 बजे प्रस्थान कर गोंदिया 18:15 बजे, बालाघाट 19:10 बजे, नैनपुर 20:30 बजे, मदनमहल 23:10 बजे पहुँचकर 23:35 बजे जबलपुर स्टेशन पहुँचेगी।

जबलपुर से लखनऊ और अंबिकापुर जाने के लिए एक ट्रेन, रेलवे ने वो भी की रद्द

चित्रकूट एक्सप्रेस के रद्द करने के बाद टूटेगा जबलपुर से लखनऊ के बीच रेल संपर्क

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर से लखनऊ के बीच चलने वाली एक मात्र ट्रेन चित्रकूट एक्सप्रेस को रेलवे ने तीन दिन रद्द करने का निर्णय लिया है। इसकी वजह झांसी मंडल के पटरियां की मरम्मत का काम होना बताया है। दिक्कत यह है कि जबलपुर से लखनऊ जाने वाली इस ट्रेन को रद करने के बाद तीन दिन जबलपुर से लखनऊ के बीच रेल संपर्क नहीं हो सकेगा। यात्रियों को जबलपुर से लखनऊ जाने और वहां से आने के लिए सड़क के रास्ते ही आना होगा। रेलवे ने जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस 13, 14 और 15 जुलाई को रद की गई है वहीं लखनऊ से जबलपुर आने वाली ट्रेन 12,13 और 14 जुलाई को रद रहेगा। इस दौरान ट्रेन में सफर करने वाले लगभग पांच हजार यात्रियों की टिकट रदद् हो गई है। रेलवे अब इन्हें टिकट का सौ फीसदी पैसा रिफंड करेगा। जबलपुर से लखनऊ के बीच रेल संपर्क को जोड़ने वाली यह एक मात्र ट्रेन है। इसे भी रेलवे ने तीन दिन के लिए रद किया है। जबलपुर से लखनऊ जाने और आने वालों के लिए बस की सुविधा भी नहीं है। यही वजह है कि अब लोगों को तीन दिन आने-जाने के लिए निजी वाहन का ही उपयोग करना होगा। दरअसल इस रूट पर यात्रियों की अधिक संख्या होने के बाद भी रेलवे ने दूसरी ट्रेन नहीं चलाई। इसको लेकर कई बार सामाजिक संगठन और आम जनों ने इस रूट पर एक और ट्रेन चलाने की मांग कई बार उठाई, लेकिन मांग पूरी नहीं हुई। हर बार रेलवे ने रूट खाली न होने की वजह से ट्रेन न चलाने की बात कही।चित्रकूट के साथ जबलपुर रेलव मंडल ने एक बार फिर जबलपुर से अंबिकापुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी को रद कर दिया है। यह ट्रेन पिछले चार माह से लगातार रद की जा रही है। हर बार इसे पटरियों की मरम्मत के नाम पर रद कर दिया जाता है, जबकि इस रूट पर यह एक मात्र ट्रेन है। इस ट्रेन के न चलने की वजह से पिछले चार माह से जबलपुर से अंबिकापुर के बीच रेल संपर्क टूटा हुआ है। जबलपुर मंडल ने अंबिकापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को 24 जून से 9 जुलाई तक के लिए रद्द कर दिया है।

नागरिकों के घरों में घुसा बरसाती पानी, लोगों को हुई भारी परेशानियां

जोरदार बारिश ने लोगों की बढ़ाई मुसीबतें

__तेंदूखेड़ा यभाप्र।__ रविवार की शाम हवाओं के साथ हुई जोरदार बारिश से नगर जलमग्न हो गया है। तेज बरसात का पानी लोगों के घरों में प्रवेश कर गया, जिसमें खाने पीने की सामग्री खराब होने के साथ पहनने ओड़ने के कपड़े भी भीग गये और नीचे पड़ी सामग्री पानी में तैरने लगी। यहीं हाल नगर की उन सड़क मार्गों का रहा जहां जलप्लावन जैसी स्थिति देखने को मिली मुख्य सड़कों पर इतना पानी हो गया कि चार पहिया और दो पहिया वाहन निकलने में भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

फोरलेन सड़क निर्माण के उपरांत अब पानी निकासी को लेकर जो समस्याएं पूर्व में समाचार पत्रों के माध्यम से उजागर की जा रही थी, लेकिन उन पर न तो वरिष्ठ अधिकारियों एवं ठेकेदार ने किसी भी प्रकार का कोई ध्यान दिया। जिसका खामियाजा बेचारे रहवासियों को अब बरसात के मौसम में भुगतना पड़ेगा। नागरिकों का कहना है कि हमारे द्वारा पूर्व में भी हो रही समस्याओं से अवगत कराया गया था लेकिन उस ओर गौर नही दिया गया जिससे हमें बरसात के मौसम में काफी परेशानियां झेलनी पड़ेगी।

तेज बारिश से सड़कें बन गयी तालाब

रविवार की शाम हुई तेज बारिश से सड़कों का नजारा कोई तालाब से कम नही लग रहा था, बारिश के पानी की निकासी व्यवस्था न होने के कारण सड़क पानी से भर गयी जिससे आने-जाने वाले वाहन चालकों सहित पैदल चलने वाले नागरिकों को अच्छी-खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि आगामी समय में बारिश से और अधिक परेशानियों का सामना न करना पड़े इसके पहले ही व्यवस्थाएं की जाये।

घरों में भरा पानी निकालते नजर आये वाशिंदे

रविवार को हुई बारिश ने अपना कहर बरपाया, तेज बारिश के चलते निचले हिस्सों सहित जहां पानी की निकासी व्यवस्था नही है उन क्षेत्रों में बरसात का पानी भरा गया, जिससे लोगों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों के घरों में बरसात का पानी प्रवेश कर गया जिससे वह पानी निकालते नजर आये।

मतदान केंद्र के चारों तरफ भरा पानी

तेंदूखेड़ा में आने वाली 6 जुलाई को संपन्न होने जा रहे नगरीय निकाय चुनावों को दृष्टिगत रखते हुये इस बार वार्डों के हिसाब से बूथों का चयन किया गया है। वहीं परंमरागत हाई स्कूल का भवन जर्जर होने की स्थिति में कृषि उपज मंडी प्राथमिक शाला टोला स्कूल और बालक शाला तथा मृदा परीक्षण केंद्र के भवनों को मतदान केंद्र बनाया गया है। लेकिन रविवार को हुई जोरदार बारिश के चलते वार्ड क्रमांक 07 के लिये बनाये गये बूथ मृदा परीक्षण केंद्र के चारों तरफ पानी ही पानी भरा रहा। यदि यहीं स्थिति 6 जुलाई को रहीं तो मतदान करने जाने वाले मतदाताओं को निश्चित तौर पर परेशानियां झेलनी पड़ेगी।

अचानक हुई बारिश से तरबतर हुआ सामान

रविवार की शाम अचानक तेज बारिश से दुकानों के बाहर रखा सामान पानी में तरबतर हो गया। दुकानदार अपना सामना उठा पाते इसके पहले ही जोरदार बारिश प्रारंभ हो गयी, जिससे दुकानों को नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं घरों के ऊपर सूख रही खाद्य सामग्री भी बारिश के पानी में खराब हो गयी है।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ में हर्ष व्याप्त

***जबलपुर यश भारत।** भारतीय रेलवे में ग्रुप 'क्' के जूनियर स्केल अधिकारी के पद पर ग्रुप 'सी' के माध्यम से भरे जाते है जिनकी रिक्तियो की संख्या पात्र कर्मचारियों की तुलना में काफी कम रहती थी, जिससे ग्रुप ए के केवल 25 प्रतिशत पद ही ग्रुप बी के कोटे में समाहित किए जाते थे।एन एफ आई आर के सहायक महामंत्री वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा व संघ प्रवक्ता सतीश कुमार ने बताया कि वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ ने उक्त प्रतिशत को बढ़ाने के लिए ह्स्त्रढ्क्र के माध्यम से रेलवे बोर्ड के समक्ष मांग रखी थी, जिस पर रेलवे बोर्ड के पत्र के अनुसार ग्रुप ए के 25 प्रतिशत के बजाय 50 प्रतिशत पद ग्रुप 'बी' के डिपार्टमेंटल कोटे में रखने के आदेश जारी कर दिए है।उन्होंने बताया कि इसके बाद अब बड़ी संख्या में ग्रुप 'बी' के पदों पर ग्रुप 'ए' के कर्मचारियों को पदौन्नति के अवसर मिलेंगे। उक्त निर्णय पर संघ के कोषाध्यक्ष अनुज तिवारी, मंडल सचिव डीपी अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष एसएन शुक्ला, दीना यादव, अवधेश तिवारी, जेपी मीणा, आरए सिंह, दीपक केसरी, एसआर बाउरी, रोशन यादव, मंदीप सिंह, अनिल चौबे आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

रिलायंस रिटेल के – ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल का आगाज

भारत की सबसे हॉट फैशन सेल ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल आज से शुरू हो गया है। ट्रेंड्स, भारत का सबसे बड़ा फैशन रिटेलर है जोकि अपने ऑन-ट्रेंड, सबसे नए स्टाइल और हाई-ऑन फैशन के लिए जाना जाता हैअपने नाम के अनुरूप, 'ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल' फैशन की अब तक की सबसे बड़ी सेल है। इसमें 10000 से अधिक परिधानों पर 50प्रतिशत तक की छूट मिल रही है। इसमें पुरुषों, बच्चों और महिलाओं के परिधान आपका इंतजार कर रहे हैं।देश भर के ग्राहकों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते हुए कम कीमतें, शानदार ऑफर, निश्चित उपहार, पुरस्कार और पॉइंट्स ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल की इस सेल को आकर्षक बनाते हैं

रेलवे मंडल में स्टार्ट अप की बैठक कल

***जबलपु यश भारत।** रेलवे द्वारा स्टार्टअप योजना के तहत विभिन्न कार्यों की जानकारी देने के लिए जबलपुर रेल मंडल में कल मंगलवार 28 जून को शाम 16ः00 बजे से एक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मीटिंग का आयोजन किया गया है. इस संबंध में मंडल वाणिज्य प्रबंधक देवेश कुमार सोनी ने बताया कि डीआरएम सभाकक्ष में आयोजित इस स्टार्टअप मीटिंग के संबंध में रेलवे द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं एवं इस योजना में शामिल होकर लाभ कमाने के इच्छुक लोगों को रेलवे की विस्तृत जानकारी डीआरएम श्री संजय विश्वास द्वारा प्रदान की जाएगी। श्री सोनी ने अधिक से अधिक संख्या में उद्यमियों से अनुरोध किया है कि वे मंगलवार 28 जून को शाम 16ः00 बजे एक मीटिंग में शामिल हो सकते हैं

गरीबरथ में आज लग रहा थर्ड एसी का अतिरिक्त कोच

***जबलपुर यश भारत।** रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिये गर्मियों के सीजन में बढ़े हुए अतिरिक्त यातायात को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेलगाड़ियों में अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं। आज सोमवार को गाड़ी संख्या 12187 जबलपुर-सीएसएमटी गरीबरथ ट्रेन में वातानुकुलित तृतीय श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाया जा रहा है।पमरे मुख्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि गाड़ी संख्या 12187 रीवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस गरीबरथ ट्रेन में आज 27.06.2022 को एक वातानुकुलित तृतीय श्रेणी का कोच लगाया जा रहा है। इससे मुम्बई की तरफ जाने वाले रेलयात्रियों को वातानुकुलित तृतीय श्रेणी की अतिरिक्त 78 बर्थ की सुविधा मिलेगी। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

रणजी ट्राफी में मध्यप्रदेश विजेता जबलपुर में मना जश्न

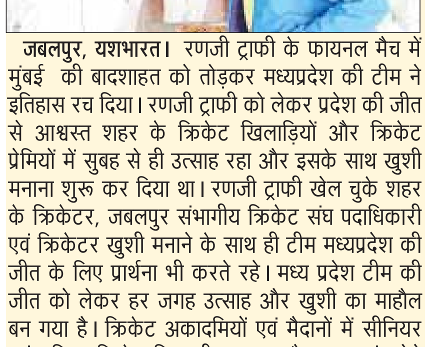

जबलपुर, यशभारत। रणजी ट्राफी के फायनल मैच में मुंबई की बादशाहत को तोड़कर मध्यप्रदेश की टीम ने इतिहास रच दिया। रणजी ट्राफी को लेकर प्रदेश की जीत से आश्वस्त शहर के क्रिकेट खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों में सुबह से ही उत्साह रहा और इसके साथ खुशी मनाना शुरू कर दिया था। रणजी ट्राफी खेल चुके शहर के क्रिकेटर, जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ पदाधिकारी एवं क्रिकेटर खुशी मनाने के साथ ही टीम मध्यप्रदेश की जीत के लिए प्रार्थना भी करते रहे। मध्य प्रदेश टीम की जीत को लेकर हर जगह उत्साह और खुशी का माहौल बन गया है। क्रिकेट अकादमियों एवं मैदानों में सीनियर एवं जूनियर क्रिकेट खिलाड़ी एक साथ मैच का आनंद लेते रहे।जानकारी के मुताबिक वर्ष 1998-99 में मध्यप्रदेश की टीम ने रणजी फायनल खेला था, लेकिन तब टीम हार गई थी। अब पूरे 22 साल बाद फिर वही मौका मध्यप्रदेश टीम को मिला। इस बार मध्यप्रदेश टीम ज्यादा मजबूत नजर आई और टीम की जीत पक्की मानी जा रही थी। आज मैच के पांचवे और अंतिम दिन बैंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे फायनल मैच में मध्यप्रदेश ने मुंबई की दूसरी पारी 269 रन पर ही समेट दी है। जीत के लिए मध्यप्रदेश को 108 रन का लक्ष्य दिया था। जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ के सचिव धर्मेश पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश की टीम ने मुंबई को हराकर इतिहास रच दिया। इससे मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ा। राज्य में क्रिकेट का स्तर बढ़ेगा। शहर और प्रदेश के खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ेगा।

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड 200 करोड़ रुपए की पूंजी जुटाएगी

एजेंसी। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड (बीएसईः 540642, एनएसईः सालासर) ने एक्सचेंजों को सूचित किया है कि वह विभिन्न चैनलों के माध्यम से 200 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की योजना बना रहा है। बोर्ड ने सही आधार पर, या उसके किसी भी संयोजन में तरजीही आवंटन और / या क्यूआईपी, एफसीसीबी, एडीआर, जीडीआर मुद्दों, या मौजूदा शेयरधारकों के माध्यम से कुल 200 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों को जारी करने और आवंटित करके धन जुटाने को मंजूरी दी है। इस संबंध में, बोर्ड ने एक धन उगाहने वाली समिति के गठन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। नियामक फाइलिंग में कहा गया है कि फंड एक या एक से अधिक चरणों में जुटाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने मंगलवार, 28 जून, 2022 को इक्विटी शेयरों के सब- डिविजन/स्पिलिट ऑफ इक्विटी शेयर के उद्देश्य से शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए रिकॉर्ड तिथि के रूप में निर्धारित किया है। प्रत्येक 10 रुपये के अंकित मूल्य के साथ, स्टॉक विभाजन 10ः1 के अनुपात में होगा;रुपये के अंकित मूल्य के साथ।1 रुपये के अंकित मूल्य वाले 10 इक्विटी शेयर का पूरी तरह से भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा, निदेशक मंडल ने अधिकृत पूंजी को 31.50 करोड़ से बढ़ाकर 35 करोड़ करने की मंजूरी दी।

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड भारत में कस्टमाइज्ड स्टील फैब्रिकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशन की प्रदाता है। कंपनी इंजीनियरिंग, डिजाइनिंग, फैब्रिकेशन, गैल्वेनाइजेशन और डिप्लॉयमेंट द्वारा 360-डिग्री सॉल्यूशन प्रदान करती है। इसके उत्पादों में दूरसंचार टावर, पावर ट्रांसमिशन लाइन टावर, स्मार्ट लाइटिंग पोल, मोनोपोल, गार्ड रेल, सब स्टेशन स्ट्रक्चर, सोलर मॉड्यूल माउंटिंग स्ट्रक्चर और कस्टमाइज गैल्वेनाइज्ड और नॉन-गैल्वेनाइज्ड स्टील स्ट्रक्चर शामिल हैं। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड की सेवाओं में रेलवे विद्युतीकरण, ग्रामीण विद्युतीकरण, पावर ट्रांसमिशन लाइन और सौर ऊर्जा संयंत्र जैसी परियोजनाओं के लिए पूर्ण इंजीनियरिंग, खरीद और कंट्रोल प्रदान करना शामिल है। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग दूरसंचार टावरों के अग्रणी निर्माताओं में से एक है और इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग में भारत के अग्रणी कंपनियों के संगठन में से एक है। कंपनी लगातार बढ़ रही है। इससे पहले, पिछले साल, सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग की सहायक कंपनी सालासर एडोरस इंफ्रा एलएलपी ने बैंगलोर मेट्रो कॉरपोरेशन रेल प्रोजेक्ट के ऑर्डर के लिए कार्यान्वयन शुरू किया था, जिसकी कीमत 252 करोड़ रुपये है।

23 साल पुराने जख्म को भरा

तब लीड के बावजूद हार गई थी टीम, नहीं दोहराई पुरानी गलती

बैंगलुरू(एजेंसी)। मध्य प्रदेश की टीम पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनी है। फाइनल में टीम ने 41 बार की चैंपियन मुंबई की टीम को छह विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के मध्य प्रदेश ने 23 साल पुराने जख्म को भर दिया। 1998-99 के रणजी ट्रॉफी सीजन में मध्य प्रदेश की टीम फाइनल में पहुंची थी, लेकिन फाइनल में उसे कर्नाटक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। तब मध्य प्रदेश की टीम के साथ कुछ ऐसा हुआ था कि जिसका डर उन्हें मुंबई के खिलाफ मैच में भी सता रहा होगा। हालांकि, युवा जोश से भरी मध्य प्रदेश की टीम ने 1999 वाली परिस्थिति नहीं आने दी और चैंपियन बनकर ही दम लिया। एमपी के खिलाड़ियों ने पुरानी वाली गलती नहीं दोहराई। हम आपको बताते हैं 1998-99 में क्या हुआ था... मध्य प्रदेश की टीम ने 1998-99 में भी शानदार प्रदर्शन किया था और तमाम दिग्गज टीमों के बीच फाइनल में जगह बनाई थी। तब मध्य प्रदेश की टीम में जेपी यादव और नरेंद्र हिरवानी जैसे खिलाड़ी थे। इन्होंने बाद में भारतीय टीम का भी प्रतिनिधित्व किया था। फाइनल में कर्नाटक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 304 रन बनाए। जवाब में मध्य प्रदेश की टीम ने पहली पारी में एसके साहू के शतक की बदौलत 379 रन बनाए और 75 रन की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में कर्नाटक ने और अच्छी बल्लेबाजी की और 321 रन बना डाले और मध्य प्रदेश के सामने 247 रन का लक्ष्य रखा। जवाह में मध्य प्रदेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 150 रन पर ऑलआउट हो गई। कर्नाटक की टीम ने यह मैच 96 रन से जीत लिया था और चैंपियन बनी थी। इसी का दुख पिछले 23 साल से मध्य प्रदेश के जेहन में था। 23 साल बाद मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में भी मध्य प्रदेश की टीम ने बढ़त हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में मुंबई ने 374 रन का स्कोर बनाया। जवाब में मध्य प्रदेश की टीम ने अपनी पहली पारी में 536 रन बनाए और 162 रन की लीड हासिल की। हालांकि, दूसरी पारी में मध्य प्रदेश के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और मुंबई को 269 रन पर समेट दिया। इस तरह मध्य प्रदेश को सिर्फ 108 रन का लक्ष्य मिला। इस स्कोर को टीम ने पांचवें दिन चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टीम ने 1998-99 वाली गलती नहीं दोहराई और चोकर्स साबित नहीं हुए। इस साल मध्य प्रदेश के लिए कई खिलाड़ी उभर कर सामने आए। टीम के तीन बल्लेबाज टॉप पांच रन स्कोरर में शामिल रहे।

मध्य प्रदेश की जीत में हीरो बने ये खिलाड़ी

रजत पाटीदार ने छह मैचों में 82.25 की औसत से 658 रन बनाए। वहीं, यश दुबे ने छह मैचों में 614 रन बनाए। शुभम शर्मा ने छह मैचों में 76.00 की औसत से 608 रन बनाए। इसके अलावा गेंदबाजों में कुमार कार्तिकेय ने शानदार गेंदबाजी की और छह मैचों में 32 विकेट झटके। इसके अलावा गौरव यादव ने 23 विकेट झटके।

जो रूट ने स्विच हिट पर लगाया शानदार छक्का

हैरान रह गई न्यूजीलैंड की टीम

मुंबई(एजेंसी)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट लीड्स के हेडिंग्ले में जारी है। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 296 रन का लक्ष्य रखा है। जवाब में इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में मैदान पर है। रविवार को टेस्ट का चौथा दिन है। ऐसे में इंग्लिश टीम की पकड़ इस मैच पर मजबूत मानी जा रही है। इंग्लैंड की दूसरी पारी में जो रूट ने एक ऐसा शॉट खेला, जिसकी सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। दरअसल, रूट को ऑर्थोडॉक्स शॉट्स के लिए जाना जाता है। वे बेहद शानदार कवर ड्राइव और फ्लिक लगाते हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने स्विच हिट लगाया। इस अनऑर्थोडॉक्स शॉट को देखकर मैदान पर मौजूद कीवी खिलाड़ी से लेकर गेंदबाज और कमेंटेटर भी हैरान रह गए। सोशल मीडिया पर रूट द्वारा लगाया स्विच हिट शॉट काफी वायरल हो रहा है। यह शॉट उन्होंने 22वें ओवर की आखिरी गेंद पर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नील वैगनर की गेंद पर लगाया। रूट ने थर्ड मैन के ऊपर से शानदार छक्का जड़ा। इसके बाद वैगनर को भी विश्वास नहीं हुआ कि रूट ने यह शॉट खेला है। वह रूट की तरफ देखते हुए कुछ बोलने लगे। इस पर रूट मुस्कुराने लगे और कोई जवाब नहीं दिया। इस छक्के के साथ इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में 100 रन भी पूरे किए।

क्या रोहित की जगह लेंगे बुमराह?

35 साल बाद कोई तेज गेंदबाज भारतीय क्रिकेट टीम का बन सकता है कप्तान

मुंबई(एजेंसी)। एजबेस्टन टेस्ट से करीब एक हफ्ते पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा। कप्तान रोहित शर्मा लीसेस्टरशायर के खिलाफ अभ्यास मैच के बीच कोरोना संक्रमित हो गए। उनका एक जुलाई से शुरू होने वाले टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध है। अगर रोहित पूरी तरह फिट नहीं हुए तो टीम इंडिया को नए कप्तान के साथ उतरना पड़ सकता है। चर्चा यह है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कमान मिल सकती है। भारतीय क्रिकेट में टीम का नेतृत्व करने के लिए शायद ही कभी किसी तेज गेंदबाज को चुना गया हो। कपिल देव एक अपवाद थे। मार्च 1987 में कपिल देव के बाद से किसी भी तेज गेंदबाज ने भारत का नेतृत्व नहीं किया है। 35 साल बाद जसप्रीत बुमराह को भारत के कप्तान के रूप में नामित किए जाने की संभावना है। रोहित शर्मा कोरोना संक्रमित हैं और उपकप्तान केएल राहुल चोट के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे। ऐसे में बुमराह को कमान सौंपी जा सकती है। इस साल की शुरुआत में बुमराह को दक्षिण अफ्रीका में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के दौरान भारतीय टीम के उप-कप्तान के रूप में पदोन्नत किया गया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेज गेंदबाज ने तब कहा था कि अगर मौका आया तो वह भारत की कप्तानी संभालने को तैयार हैं। बुमराह के अलावा दो खिलाड़ियों के नाम और सामने आ रहे हैं। ऋषभ पंत और विराट कोहली। रोहित के न खेलने पर ऋषभ पंत को टीम इंडिया का कप्तान बनाया जा सकता है, लेकिन विराट कोहली के फैंस चाहते हैं कि इस मैच में विराट कोहली को आखिरी बार कप्तानी दी जाए। इस सीरीज के शुरुआती चार मैच विराट की कप्तानी में खेले गए थे, लेकिन टीम इंडिया में कोरोना के कई मामले आने के बाद पांचवां मैच स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खत्म होते ही सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी। विराट कोहली पहले भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया को टेस्ट सीरीज में जीत दिलाई थी। अब उनके पास इंग्लैंड में भी यह कारनामा करने का मौका रहेगा।

चंद्रकांत पंडित ने बदली मध्य प्रदेश की तकदीर

समझें घरेलू क्रिकेट के द्रोणाचार्य ने कैसे बनाया चैंपियन

इंदौर(एजेंसी)। मध्य प्रदेश की रणजी टीम ने बेंगलुरु में इतिहास रच दिया। उसने 2021-22 के फाइनल में 41 बार के चैंपियन मुंबई को हराकर पहली बार खिताब अपने नाम किया। अपेक्षाकृत कमजोर माने जाने वाली मध्य प्रदेश की टीम ने मुंबई को हराने से पहले पंजाब और बंगाल जैसी मजबूत टीम को हराकर उलटफेर कर दिया। 1998-99 रणजी के फाइनल में पहुंचने वाली टीम को 23 साल तक इस दिन का इंतजार करना पड़ा। उसके सपने को घरेलू क्रिकेट के द्रोणाचार्य कहे जाने वाले चंद्रकांत पंडित ने हकीकत में बदला। यही चंद्रकांत पंडित 23 साल पहले फाइनल में मध्य प्रदेश के कप्तान थे। उस समय नतीजे उनके पक्ष में नहीं रहे थे। इन 23 सालों में चंद्रकांत पंडित ने मुंबई को तीन और विदर्भ को दो बार बतौर कोच चैंपियन बनाया। उन्हें दो साल पहले मध्य प्रदेश ने मुख्य कोच बनाया। शुरुआत में नतीजे उनके पक्ष में नहीं रहे थे। इस पर उनकी जमकर आलोचना हुई थी, लेकिन चंद्रकांत पंडित ने अपने तरीकों को नहीं बदला।

हेडमास्टर की तरह करते हैं व्यवहार

चंद्रकांत पंडित ने स्कूल के हेडमास्टर की तरह टीम के साथ व्यवहार किया। उन्हें सख्त कोच के रूप में जाना जाता है। इसी सख्ती का फायदा मध्य प्रदेश की टीम को मिला। छह साल से क्वार्टरफाइनल में नहीं पहुंचने वाली टीम फाइनल में पहुंची और चैंपियन भी बन गई। चंद्रकांत पंडित को कैसे मध्य प्रदेश के साथ जोड़ा गया और इस जीत की कहानी कैसे रची गई, इस बारे में हमने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर से बात की।

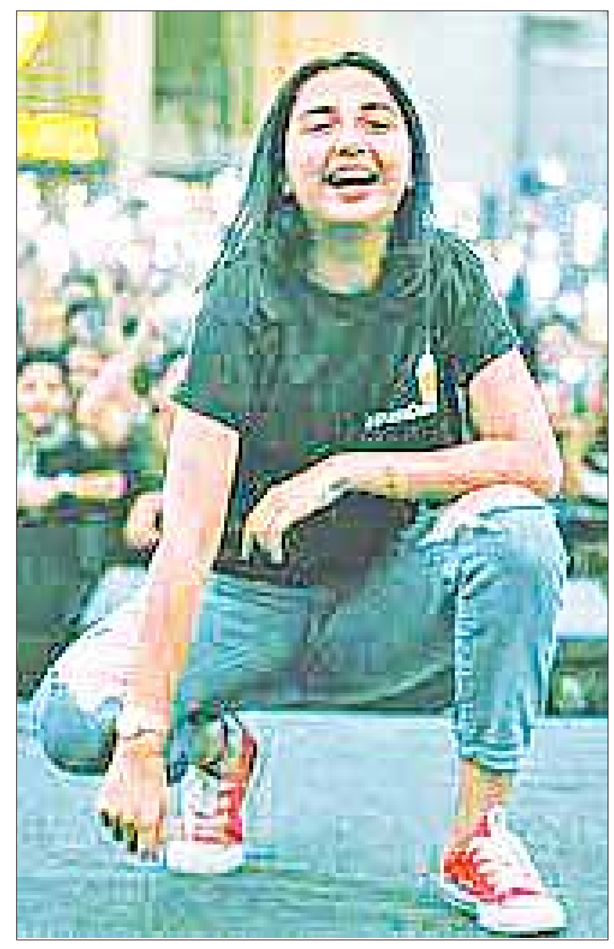

आरजे की नौकरी छोड़ बनीं यूट्यूबर

प्राजक्ता ने ऐसे तय किया बॉलीवुड तक का सफर

मुंबई(एजेंसी)। फिल्म जुग जुग जियो में नजर आ रही प्राजक्ता कोली आज 27 जून 2022 को अपना 28वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। फिल्म इंडस्ट्री में प्राजक्ता कोली भले ही लिए नया नाम हो, लेकिन सोशल मीडिया की दुनिया में वह सुपरहिट हैं। इतना ही नहीं वह आरजे रह चुकी हैं और यूट्यूब पर भी उनके 6 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। तो चलिए उनके जन्मदिन पर जानते हैं कि प्राजक्ता ने कैसे ऋछ से यूट्यूबर और फिर बॉलीवुड में एक बड़ी फिल्म पाने में कामयाबी हासिल की। फिल्म जुग जुग जियो में प्राजक्ता अनिल कपूर और नीतू की बेटी के किरदार में नजर आ रही हैं। यूट्यूबर से एक्ट्रेस बनी प्राजक्ता की सबसे खास बात ये रही कि उन्होंने बचपन से ही अपना गोल सेट कर लिया था और जब वह छठी क्लास में थी तब ही उन्होंने ऋछ बनने की ठान ली थी।

उन्हें जैसे ही पहला शो मिला तो उन्होंने उस जॉब को ज्वाइन कर लिया लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने रिजाइन दे दिया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि ऋछ उनके लिए सही फील्ड नहीं है। प्राजक्ता ने आरजे की जॉब छोड़ दी और एक दिन उनके जानने वाले एंटरटेनमेंट टीम के सुदीप ने उन्हें अपना यूट्यूब चैनल शुरू करने की सलाह दी। प्राजक्ता ने कुछ वक्त तक इस बारे में सोचा और साल 2015 में अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया, हालांकि उस समय उनके पास इसके अलावा कोई ऑप्शन नहीं था लेकिन प्रजाक्ता इसे अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला मानती हैं। प्राजक्ता सोशल मीडिया संसेशन तो हैं हीं। सबसे पहले उन्हें नेटफिल्मक्स की मूवी मिस्टमैच्ड में काम करने का मौका मिला और इस प्रोजेक्ट के रिलीज होने से एक महीना पहले उन्हें धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म जुग जुग जियो का ऑफर मिला। फिल्म में प्राजक्ता कोली वरुण धवन यानी कुकू सैनी की छोटी बहन गिनी सैनी के किरदार में दिखाई दे रही हैं।

फैंस को रास नहीं आ रहा पठान में शाहरुख खान का लुक

मुंबई(एजेंसी)। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान ने फिल्मी दुनिया में अपने 30 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर अभिनेता ने फैंस के साथ पहली बार इंस्टाग्राम पर लाइव आकर बातचीत की। साथ ही अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म %पठान% का मोशन पोस्टर भी जारी किया, जिसमें शाहरुख खान अपने हाथ में एक गन लिए खड़े नजर आ रहे हैं। इस मोशन पोस्टर से साफ है कि शाहरुख खान फिल्म %पठान% में जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। इस पोस्टर पर फैंस भी जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वहीं, अमर उजाला की तरफ से भी मोशन पोस्टर पर फैंस की राय जानने के लिए एक सवाल किया गया। दरअसल, पठान का मोशन पोस्टर रिलीज होने के बाद मीडियाने एक पोल का आयोजन किया, जिसमें लोगों से मोशन पोस्टर के बारे में सवाल पूछा गया था। सवाल था- फिल्म पठान के मोशन पोस्टर में शाहरुख खान का लुक आपको कैसा लगा? इसके जवाब में अच्छा, निराशाजनक और ठीक तीन ऑप्शन दिए गए थे, जिस पर फैंस ने बेहद ही हैरान कर देने वाला जवाब दिया है। इस पोल के मुताबिक, फिल्म का पोस्टर सिर्फ 39.91 प्रतिशत लोगों को अच्छा लगा है। वहीं, निराशाजनक लोगों का प्रतिशत 46.64 है। इसके अलावा, 15.45 प्रतिशत लोगों को मोशन पोस्टर ठीक लगा है। इस पोल से साफ है कि फैंस को %पठान% में शाहरुख खान का लुक कुछ खास पसंद नहीं आया है। गौरतलब है कि शाहरुख खान चार साल पहले फिल्म %जीरो% में नजर आए थे, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इसके बाद अभिनेता की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई और अब किंग खान एक साथ तीन फिल्में लेकर आ रहे हैं। %पठान% के अलावा, शाहरुख खान फिल्म %डंकी% और %जवान% में दिखाई देंगे। पठान में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी नजर आएंगे। यह फिल्म 25 जनवरी 2023 को रिलीज होगी। इसके अलावा, शाहरुख इस साल रिलीज हो रही %ब्रह्मास्त्र% और% रॉकेट्री: द नांबी इफेक्ट% में कैमियो करते नजर आएंगे।

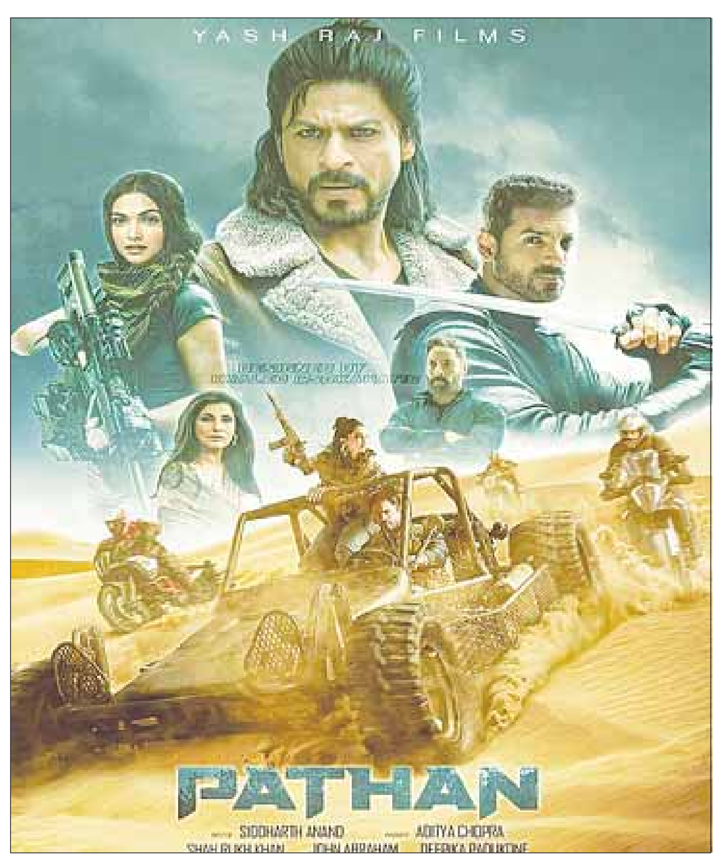

डीआईडी लिटिल मास्टर्स सीजन 5 के विजेता बने नोबोजित

मुंबई(एजेंसी)। जी टीवी के लोकप्रिय शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स के सीजन 5 के विजेता असम के नोबोजित नारजारी को चुना गया है। नोबोजित महज 9 साल के हैं और इतनी कम उम्र में अपने जबरदस्त डांस मूव्स से उन्होंने दर्शकों के साथ जजेस का दिल भी जीत लिया। नोबोजित फ्रीस्टाइल, हिप हॉप के साथ ही अलग-अलग डांस स्टाइल के लिए में भी शानदार परफॉर्मेंस से सबको हैरान कर चुके हैं। नोबोजित सिर्फ नौ साल के हैं और इसके लिए उन्होंने पिछले दो सालों से कड़ा अभ्यास किया है।

महज नौ साल की उम्र में कर दिखाया कमाल

फाइनल में टॉप 5 में था कड़ा मुकाबला

डीआईडी लिटिल मास्टर्स के लिए हर बार की तरह इस बार भी कई बच्चों ने ऑडिशन दिया जिसमें से टॉप 15 को चुना गया था। तीन महीनों तक डांस की कड़ी टक्कर देने के बाद 26 जून 2022 के ग्रैंड प्रीमियर एपिसोड में सागर, नोबोजित, अप्पन, आध्याश्री और इशिता टॉप 5 कंटेस्टेंट पहुंचे और फिनाले में परफॉर्म किया। जिसके बाद नोबोजित को विनर चुना गया। अप्पन और आध्याश्री को क्रमश: फर्स्ट और सेकंड रनर अप घोषित किया गया।

जुग जुग जियो की टीम भी रही मौजूद

फिल्म जुग जुग जियो इस समय सिनेमाघरों में है और बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कलेक्शन कर रही है। सितारें अब भी इसका जमकर प्रमोशन कर रहे हैं और इसी क्रम में अनिल कपूर, कियारा आडवाणी, वरुण धवन, प्राजक्ता कोली और मनीष पॉल इस शो में आए और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के साथ ही जमकर मस्ती भी की।

सभी को मिले सरप्राइज गिफ्ट

नोबोजित को तो डीआईडी लिटिल मास्टर्स की ट्रॉफी मिली ही साथ ही एक और कंटेस्टेंट ने सबका दिल जीत लिया और वह थे अहमद राजा। शो के सभी फाइनलिस्ट्स को डीआईडी लिटिल मास्टर्स की तरफ से नगद पुरस्कार और स्पेशल सरप्राइज दिए गए।

कहा-डीआईडी ने मुझे वो सब दिया जिसके मैंने सपने देखे

डीआईडी लिटिल मास्टर्स सीज़न 5 के विजेता नोबोजित ने कहा, डीआईडी लिटिल मास्टर्स ने वाकई मुझे वो सबकुछ दिया, जिसके मैंने सपने देखे थे! इस रियलिटी शो में बहुत-से टैलेंटेड कंटेस्टेंट्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया और मुझे खुशी है कि मैं सबको अपनी डांसिंग स्किल्स दिखा सका और सबका दिल जीत सका। मैंने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है और हर हफ्ते दिल से डांस किया है। मेरे स्किपर वैभव और जज- रेमो सर, मौनी रॉय और सोनाली मैम ने मुझे सीखने और आगे बढ़ने में बहुत मदद की और मैं उनके सपोर्ट और उनकी हौसला अफजाई का बहुत आभारी हूं। उन्होंने आगे कहा- मैं बताना चाहूंगा कि डीआईडी लिटिल मास्टर्स में मैंने बहुत-से नए दोस्त बनाए हैं और जहां मैं यह सभी रिहर्सल्स, मस्ती और मजाक मिस करूंगा, वहीं मुझे यकीन है कि इस पॉपुलर रियलिटी शो को जीतने के बाद मेरी जिंदगी में आगे और भी बहुत अच्छी चीजें होने वाली हैं।

अभिव्यक्ति से प्रेरित होते हैं तीसरे घर के जातक

इस सप्ताह जीवन ज्योतिष में तृतीय भाव के बारे में बताया गया है । बताया गया कि तीसरे भाव के जातक अभिव्यक्ति से प्रेरित होते हैं। यह अपने भाई-बहनों के साथ-साथ इन्हें काम और पढ़ाई के दौरान निकट संबंध बनाने के लिए जाना जाता है। तृतीय भाव हमारे मानसिक झुकाव और याद करने की क्षमता को नियंत्रित करता है। तीसरा भाव भ्रातृसंघ के लिए है जो हमारे छोटे भाई या बहन के लिए हमारे विचारों को दर्शाता है। साथ ही ग्रह कैसे हमारे शरीर के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालते है। जीवन से जुड़ी सभी राशियों और उनके भाव के बारे में ज्योतिषाचार्य मनोहर वर्मा ने यश भारत के लोकप्रिय कार्यक्रम में यश भारत प्राईम टाईम विद आशीष शुक्ला के साथ चर्चा की।

यश भारत जीवन ज्योतिष

वीडियो देखने के लिए यश भारत फेसबुक पर जाएं
प्रति सोमवार प्रातः 10 बजे

ज्योतिष और ग्रह

वैदिक परंपरा में व्यक्ति का नाम उसकी राशि के अनुरूप रखा जाता है। जबकि राशि की जानकारी जातक की जन्म कुंडली से प्राप्त होती है और जन्म कुंडली से ग्रह तथा नक्षत्र की स्थिति का पता चलता है। इसलिए हिन्दू ज्योतिष के मुताबिक ग्रहों का प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर प्रत्यक्ष रूप से पड़ता है। इसे उस व्यक्ति की जन्म कुण्डली से भली प्रकार से समझा जा सकता है। ज्योतिष में नवग्रह कुंडली के 12 भावों के कारक होते हैं। सभी भावों के स्वामी,कारक और अवधि अलग-अलग होती है।

किसे कहते हैं कुंडली भाव

धरती से दिखने वाले गोलाकार आकाश में ही सब ग्रह और नक्षत्र कहीं न कहीं स्थित रहते हैं या विचरण करते हैं। ऐसे में अगर यह बताना होगा की कौन सा ग्रह कहाँ पर स्थित है तो हमें एक मापदंड की आवश्यकता होती है। इसलिए हमने आसमान को एक नाप दे दिया है. 360 डिग्री। वैदिक ज्योतिष के अनुसार जन्म कुंडली के 12 भाव व्यक्ति के जीवन के संपूर्ण क्षेत्रों की व्याख्या करते हैं। इन भावों में स्थित राशिए नक्षत्र तथा ग्रहों का अध्ययन करके जातकों के राशिफल को ज्ञात किया जाता है। यहाँ प्रत्येक भाव का संबंध किसी विशेष राशि से होता है। कुंडली में सभी 12 भावों का अपना-अपना विशेष कारकतत्व होता है।

तृतीय भाव का प्रदर्शन

प्रथम और द्वितीय भाव के बाद अब हम बात करते है तृतीय भाव के बारे में । तीसरे घर के जातक अभिव्यक्ति से प्रेरित होते हैं। एक अपने भाई.बहनों के साथ-साथ काम और पढ़ाई के दौरान निकट संबंध बनाने के लिए जाना जाता है। तृतीय भाव हमारे मानसिक झुकाव और याद करने की क्षमता को नियंत्रित करता है। तीसरा भाव भ्रातृसंघ के लिए है जो हमारे छोटे भाई या बहन के लिए हमारे विचारों को दर्शाता है। यह तीसरा भाव ही है जो यह निर्धारित करता है कि हम लोगों के साथ जानकारी कैसे संलग्न और विनिमय करते हैं।

यशभारत के लोकप्रिय कार्यक्रम जीवन ज्योतिष में ज्योतिषाचार्य मनोहर वर्मा से विशेष चर्चा

तृतीय भाव में चन्द्र की दशा

तीसरे भाव में स्थित चन्द्रमा आपके भीतर कलात्मक गुण देता है। किसी भी विषयवस्तु की जानकारी प्राप्त करने की जिज्ञासा आप में हमेशा बनी रहती है। आपको बेवजह खर्चे करना पसंद नहीं होगा। आप बचत करने पर ज्यादा जोर देते हैं। लेकिन आप अपनी बातों और विचारों को सही ढंग से औरों के सामने नहीं रख पाते। समय-समय पर आपके शौक बदलते रहते हैं। ज्योतिष में चंद्र ग्रह का विशेष स्थान है। हालाँकि खगोल विज्ञान में चंद्रमा को पृथ्वी ग्रह का एक प्राकृतिक उपग्रह माना जाता है। ज्योतिष में इसके द्वारा व्यक्ति की चंद्र राशि ज्ञात होती है। जन्म कुंडली में स्थित 12 भावों में चंद्र ग्रह का अलग.अलग प्रभाव पड़ता है।

ज्योतिष भाव में सूर्य की दशा

तृतीय भाव भाव को पराक्रम या भाई बहनों व मामा का भाव भी कहते हैं। इसमें स्थित सूर्य आपके भीतर एक विशेष प्रकार का आकर्षण देने के साथ ही आपको पराक्रमी बनाता है। आप एक राज्यमान और प्रतापी व्यक्ति हो सकते हैं। आपकी रुचि ज्योतिष विज्ञान या गणित विषय में हो सकती है। इसके अलावा आपके भीतर कवित्त्व का गुण पाया जा सकता है। आप बलशाली और प्रतिष्ठावान व्यक्ति होगें। सेवा क्षेत्र में सूर्य उच्च व प्रशासनिक पद तथा समाज में मान.सम्मान को दर्शाता है।

ग्रह गोचर क्या है

ज्योतिष विज्ञान में ग्रह गोचर शब्द अक्सर सुनने को मिलता है। यहां गोचर का सीधा मतलब ग्रह की चाल से है। ग्रह का राशि परिवर्तन, गोचर कहलाता है। ज्योतिष में सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध गुरु, शुक्र, शनि, राहु एवं केतु नौ ग्रह हैं। ये गोचर अपनी गति के अनुसार समय-समय पर राशियां बदलते हैं। किसी व्यक्ति के जीवन में ग्रहों के गोचर का बहुत प्रभाव पड़ता है। सूर्य से लेकर केतु तक सभी ग्रहों के राशि परिवर्तन का अवधि अलग-अलग होती है।

ग्रह भाव और स्वास्थ्य

ज्योतिष शास्त्र एक ऐसा विषय है जिसके आधार पर किसी भी व्यक्ति के वर्तमान,भूतकाल और भविष्य तक की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। और तो और इस बात का भी पता लगाया जा सकता है कि अमुक व्यक्ति कौन सी बीमारी से कब पीड़ित होने वाला है। ज्योतिष के मुताबिक रोगों का संबंध ग्रहों से होता है क्योंकि हर ग्रह शरीर के किसी न किसी हिस्से को प्रभावित करता है। ज्योतिष के अनुसार सभी ग्रह शरीर के किसी न किसी अंग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन्हीं ग्रहों के प्रभाव स्वरुप हमें फल प्राप्त होते हैं और स्वास्थ्य का हाल जाना जा सकता है। जब कोई भी ग्रह पीड़ित होकर लग्न, लग्नेश, षष्ठम भाव अथवा अष्टम भाव से सम्बन्ध बनाता है।

भाजपा नगर अध्यक्ष और बागी पार्षद प्रत्याशी का ऑडियो वायरल

बागी प्रत्याशी ने कहा, हनुमान जी-नर्मदा जी की कसम खाई है वापस नहीं लूंगा फार्म...

जबलपुर,यशभारत। नगरीय निकाय चुनाव में बगावत करने वालों को मानने का सिलसिला जारी है। भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष जीएस ठाकुर भी बागियों को मानने में जुटे है और इसी के तहत उनकी और वार्ड 46 के बागी प्रत्याशी की एक रिकार्डिंग सोशल मीडिया में वायरल हुई है। वायरल रिकार्डिंग में जीएस ठाकुर बागी को मानने में जुटे हैं तो बागी हनुमान जी और नर्मदा जी की कसम का हवाला देकर चुनाव से हटने इंकार कर रहा है।इस आडियो की पुष्टि यश भारत नहीं करता है।

मालूम हो कि बागियों को लेकर भाजपा-कांग्रेस दोनों परेशान है। हालांकि कांग्रेस ने कुछ हद तक बागियों को मना लिया लेकिन भाजपा में स्थिति थोड़ी चिंताजनक है। लाख कोशिशों के बाबजूद भाजपा बागी मानने को तैयार नहीं है। बागियों के तेवर से बीजेपी चिंतित है, शीर्ष नेताओं का मानना है कि बागियों के चुनाव मैदान में होने से पार्टी उम्मीदवार को काफी नुकसान हो सकता है।

वायरल आडियो के अंश

बागी प्रत्याशी टिल्लू नेचलानी- जय श्रीराम सर जी,
जीएस ठाकुर- जय श्रीराम, चुनाव में क्या करने वालो हो।
बागी प्रत्याशी टिल्लू नेचलानी- नर्मदा जी-हनुमान जी की कसम खा ली है आपसे झूठ नहीं बोलेंगे आप नगर अध्यक्ष हो,मैं नहीं बैठूंगा, गलत आदमी को टिकट मिली है वो नहीं जीतेगा।
जीएस ठाकुर- चुनाव लडोगे नहीं मानोगे।
बागी प्रत्याशी टिल्लू नेचलानी- नहीं मानेंगे सर, इस बार लड़ूंगा चुनाव। मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा तो कांग्रेस का प्रत्याशी जीत जाएगा।
जीएस ठाकुर- ऐसा क्यों करते हो यार, दूसरा प्रत्याशी जीत जाएगा, स्टाम्प का क्या करूंगा राष्ट्रपति को भेज दूं क्या।
बागी प्रत्याशी- जितू ठाकुर जीत जाएगा अगर मैंने चुनाव नहीं लड़ा तो, मैं स्टाम्प पर लिखकर देता हूं कि मैं चुनाव जीत जाऊंगा। सब मेरे साथ है आपके प्रत्याशी के साथ कोई नहीं है।
जीएस ठाकुर- भाजपा को जिताना है, सब एक साथ हो, नर्मदा जी में मत कूदो भाई
बागी प्रत्याशी- भाजपा नहीं जीत रही है, मैंने सब कुछ पार्टी के लिए गवां दिया, अपना बेटा तक। क्या करूं नर्मदा जी में कूद जाऊं, जहर खा लूं क्या। मैंने आपका क्या बिगाड़ा है। जो मुझे टिकट नहीं दी।

जबलपुर जनपद की ग्राम पंचायत पहाड़ीखेड़ा

गैरिज में काम करने वाले संतोष चलाएंगे गांव की सरकार...

जबलपुर, यशभारत। गांव की बागडोर किनके हाथों में होगी ये लगभग तय हो चुका है। ग्राम पंचायत चुनाव के परिणाम भी धीरे-धीरे सामने आने लगे है। जबलपुर जनपद की ग्राम पंचायत पहाड़ीखेड़ा में 30 साल के संतोष पटेल ने चुनाव जीता है। संतोष पेशे से गैरिज में काम करते हैं , 12वीं पास संतोष सबसे युवा सरपंच है। अभी तक पंचायत इतने कम उम्र का सरपंच नहीं बना है।

पुराने सरपंच का भ्रष्टाचार उजागर कर चहेते बने

संतोष पटेल ने गैरिज में काम करते हुए ग्राम पंचायत की प्रत्येक गतिविधियों पर ध्यान दिया, इसका नतीजा ये हुआ है कि पिछली पंचायत के सरपंच का भ्रष्टाचार उजागर संतोष ग्रामीणों का चहेता बन गया। संतोष का कहना है कि पंचायत में अब तक जो होता आया है उसे बदलना है, भ्रष्टाचार करने वाले पंचायत में भटकने नहीं दिया जाएगा। गांव का विकास ही सर्वोपरि होगा। पंचायत चुनाव 2022 के पहले चरण के रिजल्ट सामने आते जा रहे हैं। हालांकि इसकी अधिकृत घोषणा 14 जुलाई को होगी, लेकिन मतगणना के बाद विजयी प्रत्याशियों को इसकी सूचना मिल गई। आमाहिनौता से कंचन बाई लोधी बनी सरपंच। बीएस.सी पास के हाथों में थामी ग्रामीणों ने बागडोर। तो वहीं चौरई में लोगों ने अपने विकास के लिए 5वीं पास मालती बाई पटेल को चुना। 30 पंचायतों से स्थिति स्पष्ट नहीं है।

विजय नगर में जेवरात और नगदी ले उड़े चोर

शादी समारोह में शामिल होने गया था परिवार

जबलपुर, यशभारत। विजय नगर के कचनार सिटी में देर रात शादी समारोह में गए परिवार के सूने घर में चोरों ने दबिश देकर, जेवरात और नगदी समेत करीब 55 हजार रुपए चोरी कर मौके से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, आसपास लगे सीसीटीव्ही फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमती इस्मिता बरकरे 35 साल ने बताया कि वह कचनार सिटी की निवासी है। देर रात उसके घर के मेन गेट का ताला तोड़कर चोरों ने अलमारी में रखे हुए सोने चांदी के जेवरात और नगदी समेत पचपन हजार की चोरी कर ली। आरोपियों के वारदात देने के तरीके से यह लग रहा है कि चोर पहले से घर की हरेक चीज से वाकिफ है। फिलहाल पुलिस मामले की बारीकी से पड़ताल कर रही है।

Admission Open 2022-23
A Name of Quality Education
यश नर्सरी हा.से. स्कूल ESTD- 2004
अधारताल/गोहलपुर, जबलपुर (English & Hindi Medium)
Dr. Vijaykant Tiwari (Director)
चुने यही स्कूल क्योंकि यहाँ से-
• अधिकतम छात्र IIT/NEET/ICAR में सलेक्ट होते हैं ।
• अत्याधुनिक स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, लैब, कम्प्यूटर लैब
• प्रतिवर्ष बोर्ड कक्षा में सर्वश्रेष्ठ परिणाम
• 10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSE/ICSE
एम.पी. बोर्ड में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउन्ट
स्पेशल डिस्काउन्ट का अंतिम सप्ताह
गुलाब टॉवर, स्टेट बैंक के पीछे, अधारताल, मोः 0761-4020761, 6263988587
शंकर पटेल मार्केट, अमखेरा रोड, गोहलपुर मोः 9111009016

14 आयुर्वेदिक दर्दनाशक तेलों का मिश्रण
मामजेसिक
तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
कमर, पीठ, गर्दन, जोड़ों एवं घुटने का दर्द, कंधे एवं कूल्हों का दर्द, अंदरूनी चोट, मोच-सूजन, मॉसपेशियों में खिंचाव-लचकना, पिंडलियां, पंजो, हड्डियां एवं पसलियों में दर्द, हाथ-पैर में झुनझुनी, कम्पन, कमजोरी, जाँघों में दर्द हेतु अत्यंत प्रभावशाली एवं गहराई तक असरकारक...
लकवा रोगियों हेतु अत्यंत लाभदायक
मामजेसिक तीव्र दर्दनाशक तेल / क्रीम
सभी मेडीकल स्टोर्स में उपलब्ध

AFFILIATED TO CBSE ATAL LAB
GREEN VALLEY PUBLIC SCHOOL
ADMISSION OPEN
SEPARATE HOSTAL FACILITY FOR BOYS & GIRLS
NURSERY TO CLASS- 12th
FREE BOOKS & UNIFORM FOR NEW ADMISSION
Raingwa, Karmeta, Patan Road Jabalpur- 9300119919 ,9300154300

गैलेक्सी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
मध्य भारत का तेजी से उभरता हुआ, सर्वप्रथम होलीस्टिक हॉस्पिटल
आर्यरा AaryAra (illuminate AspiratioN)
आयुष्मान एवं सभी प्रकार के टीपीए की सुविधा
उखरी तिराहा, विजय नगर, जबलपुर (मप्र)-482003
0761-4017010, 4027010, 2647010 Helpline 881983000,7777877708
galaxyhospitaljbpweb@gmail.com, galaxyhospitaljbp2020@gmail.com www.galaxyhospitaljbp.com

महात्मा गाँधी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
नन्दवन्दन कॉलेज ऑफ नर्सिंग Estd.2006
प्रवेश प्रारंभ 2022-23
M.Sc. (N) 2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स M.S.N., C.H.N., Pedia N. Obs N. Psy N.
P.B.B.Sc. (N) 2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
G.N.M. 3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
B.Sc. (N) 4 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
A.N.M. 2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स
महात्मा गाँधी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, मेन रेलवे स्टेशन के पास, होटल कल्चुरी के सामने, डिलाइट टॉकीज कैम्पस, साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर
Mob. 9300637079, 8103218415, 9893691462, 9200007079, 9200007074

स्थापना 1948 74 वर्षों का आपका विश्वास
मंदिर छाप छाता
छाते ही छाते
निर्माता- लक्ष्मी अम्ब्रेला इंडस्ट्रीज
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481944
लक्ष्मी एम्पोरियम 905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481229
अधिकृत विक्रेता
प्लास्टिक सिल्पोलिन तिरपाल के थोक विक्रेता मो. 9826116661
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम 3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481262,2481362

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

आपका शैल्बी, आपका हेल्थ पार्टनर
अधिक जानकारी व अपॉइंटमेंट हेतु संपर्क : +91 95758 01200
28 YEARS OF EXPERT HEALTHCARE
SHALBY MULTI-SPECIALTY HOSPITALS In association with SMJ Trust
शैल्बी हॉस्पिटल्स प्लाट नं. 5, अहिंसा चौक, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.)
24x7 Emergency & Pharmacy Emergency No. 95758 01020
www.shalby.org

Roasted Food Junction
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
न्यू शो रूम
फ्रुट आयटम उपलब्ध
→रोस्टेट नमकीन →सत्तू →रोस्टेट ड्राई फ्रूड →बकेट टोस्ट →केला जिप्स →पीनट चिक्की →ड्राईभेज →बिस्केट →फुल्की →रोस्टेट पीनट
AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)